PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 03 ● भिलाई, गुरुवार 16 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रथयात्रा से पहले गुजरात को दहलाने की साजिश?

अहमदाबाद। अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा आज निकलेगा इस पावन और बड़े उत्सव से ठीक पहले गुजरात एटीएस ने सुरक्षा के लिहाज से एक बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। एटीएस की टीम ने सिद्धपुर से 5 संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे किसी बड़ी आतंकी साजिश को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है। 16 जुलाई को अहमदाबाद, भावनगर, वडोदरा, पाटन और राजकोट सहित राज्य के कई प्रमुख शहरों में भव्य रथयात्रा निकाली जानी है, जिसे लेकर पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी है। खुफिया एजेंसियों को अहम इनपुट मिला था कि रथयात्रा के दौरान राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने के इरादे से कुछ खतरनाक संगठन सक्रिय हो रहे हैं। जांच के दौरान इन आतंकी संगठनों के तार सिद्धपुर तालुका से जुड़े होने के पुख्ता सबूत मिले थे। इसके तुरंत बाद एटीएस ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया और 5 संदिग्धों को धर दबोचा।

राम मंदिर से 3 करोड़ के गबन की ट्रस्ट ने की पुष्टि

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में हुए दान चोरी विवाद में पहली बार श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से बड़ा आधिकारिक बयान सामने आया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि मंदिर से करीब तीन करोड़ रुपए की भारी-भरकम चोरी हुई है। अभी तक इस हेराफेरी की रकम को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे थे, जबकि एसआईटीने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में सिर्फ 80 लाख रुपए की बरामदगी का जिक्र किया था। इसके साथ ही गोविंददेव ने 14 करोड़ रुपए के सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की सभी अफवाहों को पूरी तरह से गलत और भ्रामक करार दिया है। पुणे दौरे पर पहुंचे गोविंददेव गिरी ने अपने इस्तीफे से जुड़ी तमाम अटकलों पर भी बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है और न ही उनके मन में ऐसा कोई विचार है।

शाहरुख खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मन्नत के नवीकरण के खिलाफ याचिका खारिज

नईदिल्ली। शाहरुख खान को एक मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके बंगले मन्नत में 2 मंजिलें जोड़ने के लिए दी गई तटीय विनियमन क्षेत्र को चुनौती दी गई थी। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के उस आदेश में दखल देने से साफ मना कर दिया, जिसमें चुनौती को खारिज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अपीलकर्ता की ओर से पेश हुए वकील शोएब आलम ने तर्क दिया।

विधानसभा में उठा मामला

गुजरात द्धारा ब्लेक लिस्टेड की गई दवा छत्तीसगढ़ में गरीब मरीजों को बांट दी गई

रायपुर। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि जो दवा गुजरात में ब्लेक लिस्टेड है, छत्तीसगढ़ में उसकी सप्लाई कर गरीब मरीजों के बीच बांटा गया। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सवाल लगा था कि क्या यह सत्य है कि दवा निर्माता कंपनी मेसर्स 'यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड' द्वारा प्रदायित 'एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी' गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण गुजरात राज्य व्दारा ब्लैक लिस्टेड की गई थी? यदि हाँ, तो क्या इसकी आधिकारिक सूचना छत्तीसगढ़ शासन या सीजीएमएससी को प्राप्त हुई थी? क्या यह भी सत्य है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई? यदि हाँ, तो स्थापित वित्तीय नियमों को शिथिल करने हेतु कौन

उत्तरदायी हैं? इस प्रतिबंधित अवधि के दौरान या उसके बाद उक्त कंपनी से कुल कितनी मात्रा एवं किस संविदा दर पर दवाएं क्रय की गईं? कुल कितना वित्तीय भुगतान किया गया तथा क्या क्रय-पूर्व अनिवार्य बैच-परीक्षण संपन्न कराया गया था? क्रय नियमों के इस गंभीर उल्लंघन पर विभाग व्दारा दोषी अधिकारियों एवं क्रय समिति के विरुद्ध अब तक की गई दंडात्मक कार्रवाई का पूर्ण विवरण क्या है?स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से जवाब आया कि यह सत्य है कि गुजरात मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड व्दारा दवा निर्माता कंपनी मेसर्स यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड के औषधि एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी (एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 150 मिलीग्राम एवं एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 75 मिलीग्राम) गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण ब्लैक लिस्ट की गई थी। उक्त के संबंध में विगत 25 मार्च को फर्म यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड व्दारा सीजीएमएससी लिमिटेड को सूचना प्राप्त हुई थी। यह सत्य नहीं है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई।

रायपुर में चारों दिशाओं पर फायर स्टेशन बनाने की जरूरत-विधानसभा में सुनील सोनी ने उठाई मांग

रायपुर। विधानसभा में आज भाजपा विधायक सुनील सोनी ने कहा कि पुराने रायपुर की आबादी लगातार बढ़ने के बाद भी यहां एक ही फायर स्टेशन है। जिस तरह यहां की आबादी 16-17 लाख पर पहुंच चुकी है उसे देखते हुए शहर की चारों दिशाओं में फायर स्टेशन बनाने की जरूरत है। प्रश्नकाल में सुनील सोनी का सवाल था कि प्रदेश के कितने जिलों में फायर स्टेशन की सुविधा जून 2026 तक विकसित नहीं की जा सकी है? फायर वाहनों की खरीद हेतु कितनी राशि गृह विभाग को प्राप्त हुई है? क्या जून 2026 तक फायर वाहनों की खरीद की जा चुकी है? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि प्रदेश के 6 जिलों में फायर स्टेशन की सुविधा जून 2026 तक विकसित नहीं की जा सकी है। फायर स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं फायर वाहन खरीदी हेतु अप्रैल 2026 से जून 2026 तक 1 अरब 56 करोड़ 71 लाख 29 हजार का आबंटन गृह विभाग को प्राप्त हुआ। फायर वाहनों की खरीदी की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।सुनील सोनी ने पूछा कि रायपुर में वर्तमान में कितने फायर स्टेशन सक्रिय हैं और कितने खोलने की योजना है उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अग्नि शमन विभाग पहले नगर निगम से संचालित होता था, जिसे अलग किया गया।

पोलैंड का बड़ा दावा

मोदी ने पुतिन को यूक्रेन पर परमाणु हमला करने से रोका

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन जंग को लेकर पोलैंड के मंत्री ने बहुत बड़ा दावा किया है. दिल्ली में भारत-पोलैंड जॉइंट इकोनॉमिक कमिशन की बैठक में पोलैंड के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर व्लादिस्लाव तेओफिल बारतोशेव्स्की ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन तो यूक्रेन पर परमाणु बम दागने वाले थे कि ऐन वक्त पर पीएम मोदी के कहने पर उन्हें अपने कदम पीछे खींचने पड़े. उन्होंने कहा है कि भारत और रूस के बीच दशकों पुराने रणनीतिक संबंध हैं. पोलैंड के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर बारतोशेव्स्की का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं, जिनकी सलाह रूसी

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गंभीरता से लेते हैं. पोलैंड के उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव टेओफिल बार्टोशेव्स्की ने बड़ा दावा किया है कि साल 2022 के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियार इस्तेमाल करने से रोकने में अहम भूमिका निभाई थी

मौत बनकर दौड़ा टैंकर

स्कूटी सवार भाई-बहन की मौत,एक की हालत गंभीर,एनएच पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम....

कटघोरा। नाबालिगों को वाहन चलाने देना फिर जानलेवा साबित हुआ है. कोरबा के पोड़ी बस स्टैंड के पास में बुधवार सुबह भीषण हादसा हो गया है. तेज रफ्तार टैंकर और स्कूटी के बीच जोरदार टक्कर हो गई. हादसे में सगे भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग की हालत गंभीर है. बांगो थाना क्षेत्र की पूरी घटना है. जानकारी के मुताबिक बस स्टैंड में (13 साल) बूटी गोस्वामी और (12 साल) दशरथ गोस्वामी के साथ एक और नाबालिग स्कूटी से सामान लेने आए थे. इस दौरान तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी. हादसे में कोनकोना बस्ती के

गोस्वामी पारा निवासी बूटी और दशरथ की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं अन्य नाबालिग विक्की गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल भर्ती कराया गया है. तीनों बच्चे एक ही परिवार के हैं. हादसे के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा. उन्होंने बांगो-अंबिकापुर नेशनल हाइवे पर चक्काजाम कर दिया. यहां से गुजरने वाले यात्री बस समेत वाहनों को जाम का सामना करना पड़ा. स्थिति गरमाने केब बाद बांगो पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे. उन्होंने चर्चा कर प्रदर्शन खत्म करने की समझाइश दी. तहसीलदार ने मौके पर ही पीड़ित परिवार को 25-25 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता राशि प्रदान की. इसके बाद ग्रामीणों ने आखिरकार चक्काजाम समाप्त किया. पुलिस ने हाईवे पर यातायात बहाल कराया. मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

ममता बनर्जी को बड़ा झटका

ईडी समन के बाद पूर्व मंत्री मदन मित्रा ने छोड़ा साथ.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में सियासी संघर्ष का दौर बना हुआ है। बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी से हार के बाद अपने अस्तित्व और टीएमसी को बचाने की कोशिश में लगी ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मदन मित्रा ने ममता बनर्जी का साथ छोड़कर टीएमसी बागी गुट का दामन थाम लिया है। मदन मित्रा ने बागी गुट के नेता रितब्रता बनर्जी का नेतृत्व स्वीकार कर लिया है। बुधवार दोपहर मदन मित्रा खुद गाड़ी

चलाकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने रितब्रता बनर्जी से मुलाकात की। रितब्रता से मिलने के बाद बाद इस्तीफे का ऐलान कर दिया और बागी गुट में शामिल हो गए। दरअसल मंगलवार रात मदन मित्रा अचानक एंटाली के पूर्व विधायक स्वर्णकमल साहा के घर पहुंचे थे। यहीं से उनके पाला बदलने की चर्चाएं शुरू हो गई थींष स्वर्णकमल साहा के बेटे संदीपन साहा खुद एंटाली से विधायक हैं और रितब्रता बनर्जी गुट के अहम नेता माने जाते हैंष यानी मदन मित्रा का इस घर में जाना साफ इशारा था कि वह ममता बनर्जी के खेमे से दूरी बना रहे हैं। अगले दिन बुधवार सुबह मदन मित्रा खुद गाड़ी चलाकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने रितब्रता बनर्जी से मुलाकात की। रितब्रता से मिलने के बाद बाद इस्तीफे का ऐलान कर दिया और बागी गुट में शामिल हो गए।

नासिक में महिला से छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई है। इगतपुरी स्थित भावली डैम और झरने के पास घूमने गए एक परिवार पर महिला से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने के बाद कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने परिवार की कार का करीब 15 किलोमीटर तक पीछा किया और डंडों व लोहे की रॉड से कार पर हमला कर उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार, रविवार को भगवत परिवार भावली डैम और झरने के पास घूमने गया था। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ युवकों ने परिवार की एक महिला सदस्य के साथ कथित तौर पर अश्लील इशारे किए, सीटी बजाई और छेड़छाड़ की।

अनशन के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची याचिका

सोनम की हालत नाजुक 8.5 किलो घटा वजन....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पिछले 17 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं पर्यावरणविद सोनम वांगचुक की हालत बेहद नाजुक हो गई है। जिसको देखते हुए जबरन भूख हड़तला खत्म कराने के लिए एक याचिका दायर की गई है। याचिका में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की गई है। हड़ताल के दौरान उनका वजन साढ़े आठ किलो घट चुका है। अगर वह भूख हड़ताल छोड़कर खाना नहीं खाते हैं तो दो दिनों के भीतर उनकी मौत हो सकती है।

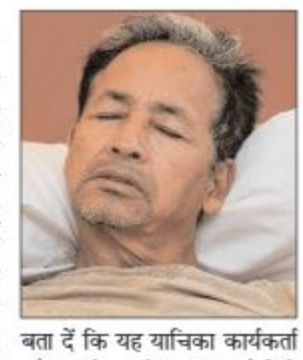

बता दें कि यह याचिका कार्यकर्ता और वकील राकेश कुमार सैनी ने दायर की है। याचिका में उन्होंने कहा है कि अगर सोनम वांगचुक दो दिनों के भीतर भूख हड़ताल से नहीं उठते हैं तो उनकी जान को खतरा हो सकती है। इस याचिका के जरिए उन्होंने दिल्ली और केंद्र सरकार को उचित निर्देश देने की मांग की है। याचिका में वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराने और जबरन उन्हें खाने खिलाने की मांग की गई है। वकील राकेश कुमार सैनी की ओर से दायर याचिका में बताया गया है कि सोनम वांगचुक की हालात बेहद खराब होने लगी है। अगर भूख हड़ताल पर बैठे-बैठे उनकी जान चली जाती है तो यह देश और दुनिया के लिए शर्मनाक बात होगी। आंदोलन के आयोजकों के मुताबिक, पिछले 17 दिनों से जारी भूख हड़ताल के दौरान सोनम वांगचुकी की वजह 8.5 किलोग्राम कम हुआ है।

विधानसभा में दिखे धरमलाल कौशिक के आक्रामक तेवर

बिना पुलिस वैरिफिकेशन लोगों को मेकाहारा व डीकेएस में काम पर रखा गया

रायपुर। संवाददाता

बिना पुलिस वैरिफिक्रेशन के प्लेसमेंट एजेंसी व्दारा उपलब्ध कराये गए कर्मचारियों को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं डीकेएस में काम पर रखे जाने का मामला आज विधानसभा में उठा। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने आरोप लगाया कि किसी एजेन्सी विशेष को लाभ पहुंचाने के मकसद से उनके लोगों को काम पर रख लिया गया। कौशिक ने सवाल उठाया कि मेकाहारा एवं डीकेएस में लगातार चोरी व बच्चों के गायब होने जैसी घटनाएं जो हो रहीं आखिर उसके लिए कौन जिम्मेदार है ?प्रश्नकाल में धरमलाल कौशिक का कहना रहा कि विधानसभा में विगत 12 मार्च को लगे एक प्रश्न के उत्तर में उल्लेखित है कि कॉल-मी प्लेसमेंट एजेंसी व्दारा मात्र 40 कर्मियों का सत्यापन 15 जनवरी 2026 की स्थिति में किया गया। ऐसे किसी भी अनुबंध में क्या पुलिस सत्यापन कराया जाना अनिवार्य है? यदि हाँ तो वर्ष 2024 से कार्यरत कर्मियों का पुलिस सत्यापन नहीं कराये जाने के क्या कारण हैं? वर्ष 2024 से जून 2026 तक बिना पुलिस सत्यापन कराए कितना भुगतान किया गया? पूर्व में विधानसभा में लगाए प्रश्न पर जवाब आया था कि उक्त फर्म को कर्मियों के भुगतान हेतु 14 करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया? यदि हां तो अनुबंध का पालन न कर भुगतान की आर्थिक अनियमितता करने तथा अनियमितता पूर्ण भुगतान पाने के लिये कौन-कौन उत्तदायी हैं? 20 जून 2026 की स्थिति में भुगतान

की गई राशि कितनी है? संस्थाओं के सुरक्षा कर्मी/प्लेसमेंट कर्मी की वर्ष 2023 से जून 2026 तक अभद्रता /मारपीट/ अमर्यादित व्यवहार की शिकायतें कब-कब, किसने, किसको, क्या शिकायत की एवं क्या कार्यवाही हुई? क्या उक्त प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मियों के विरूद्ध थाने में भी शिकायतें हुईं ?स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की ओर से जवाब आया कि विगत 12 मार्च को इसी सदन में दिए गए उत्तर में उल्लेखित है कि कॉल-मी-प्लेसमेंट एजेंसी व्दारा मात्र 40 कर्मियों का सत्यापन 15 जनवरी 2026 की स्थिति में किया गया। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर एवं डी. के. एस. चिकित्सालय रायपुर के अनुबंध शर्तों में कार्यरत कर्मियों का पुलिस सत्यापन कराया जाना उल्लेखित है। वहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर की अनुबंध शर्तों में इसका प्रावधान नहीं है। उक्त संस्थानों में डीकेएस में कार्यरत समस्त कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन करा लिया गया है। इसी अनुक्रम में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में कार्यरत लगभग 80-85 प्रतिशत कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन पूर्ण करा लिया गया है। महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में कार्यरत कुछ कर्मी परिवर्तित होते रहते हैं, फलस्वरूप सत्यापन में विलंब होता है। संस्थाओं के सुरक्षा कर्मी/प्लेसमेंट कर्मी की वर्ष 2023 से जून, 2026 तक अभद्रता/मारपीट/अमर्यादित व्यवहार के शिकायतों की जानकारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर एवं डी. के. एस. चिकित्सालय रायपुर से निरंक है। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में वर्ष 2025 में मीडिया कर्मियों एवं प्लेसमेंट एजेंसी के मध्य 25 व 26 मई 2025 की रात विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी। घटना उपरांत पुलिस व्दारा कार्यवाही की गई। इसी प्रकार 26 जून को को सीएम हेल्पलाईन नम्बर 1076 में योगेश सिदार द्वारा चिकित्सालय में कार्यरत सफाई कर्मियों के विरूद्ध मरीजों के परिजनों से अमर्यादित व्यवहार की शिकायत की गई थी जिसके संबंध में चिकित्सालय द्वारा प्लेसमेंट एजेंसी को भविष्य में इस प्रकार की घटना कारित नहीं करने की चेतावनी दी गई।

जापान से वैज्ञानिक भ्रमण कर लौटीं होनहार बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

धमतरी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दो होनहार छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धमतरी सहित पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत जापान के वैज्ञानिक भ्रमण से वापस लौटने पर जिला कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने दोनों छात्राओं से मुलाकात की और उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। सम्मानित होने वाली छात्राओं में सुनैना साहू और समीक्षा साहू शामिल हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर वैश्विक पटल पर पहचान बनाई है। इस गौरवशाली उपलब्धि की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो इस वर्ष इंस्पायर मानक स्कीम सकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम ऑफ जापान के लिए देशभर से कुल 56 विद्यार्थियों का चयन किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य से कुल पांच छात्राओं को प्रतिनिधित्व का मौका मिला, जिसमें सबसे खास बात यह रही कि धमतरी जिले के हायर सेकेंडरी स्कूल कोसमर्रा से ही दो छात्राओं ने इस सूची में अपनी जगह बनाई। छात्राओं की इस ऐतिहासिक सफलता में उनके मार्गदर्शक शिक्षकों की बेहद अहम भूमिका रही है। कुमारी समीक्षा साहू ने शासकीय माध्यमिक शाला कोसमर्रा की शिक्षिका कविता सिन्हा के कुशल निर्देशन में यह मुकाम हासिल किया, वहीं कुमारी सुनैना ने शासकीय माध्यमिक शाला देवरी के शिक्षक लक्ष्मीकांत साहू के मार्गदर्शन में जिला, राज्य और नेशनल स्तर की बाधाओं को पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना चयन पक्का किया था। अपने इस शैक्षणिक और वैज्ञानिक भ्रमण के दौरान दोनों बेटियों ने जापान की अत्याधुनिक तकनीक, सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध संस्कृति को बेहद करीब से महसूस किया। छात्राओं ने टोक्यो यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जापान की प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसी स्पेस डोम जैक्सा, दुनिया के सबसे बड़े टीवी टावर, मैकाई हाई स्कूल और ऐतिहासिक आसाकुसा टेम्पल जैसे प्रमुख स्थलों का दौरा कर वहां का गहन वैज्ञानिक व सामाजिक अध्ययन किया। जापान से सकुशल वापस लौटने पर इन छात्राओं का जिले में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भ्रमण के दौरान सहयोगी रहे स्कॉट शिक्षक अनिल साहू एवं प्रीति शांडिल्य के योगदान की भी विभाग द्वारा विशेष रूप से सराहना की गई। कलेक्टर कक्ष में आयोजित इस सम्मान समारोह के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी, डीपीओ खेमेंन्द्र साहू, सहायक संचालक देवेश सूर्यवंशी, यदुनंदन वर्मा, विद्यालय के प्राचार्य डोमन लाल साहू, शाला समिति के अध्यक्ष खोमेश्वर राव वाकडे और निखिल साहू सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शास.हाई स्कूल कोलियारी में छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

धमतरी। धमतरी विकासखंड के शासकीय हाई स्कूल कोलियारी में छत्तीसगढ़ शासन की निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत आयोजित साइकिल वितरण कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति एवं महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग की सभापति तथा भाजपा गंगरेल मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि मोनिका ऋषभ देवांगन ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। अपने उदबोधन में उन्होंने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना केवल एक साइकिल वितरण योजना नहीं, बल्कि बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य शासन की महत्वपूर्ण पहल है। इससे छात्राओं को विद्यालय आने.जाने में सुविधा मिलेगी, उनका समय बचेगा तथा वे नियमित रूप से अध्ययन कर अपने सपनों को साकार कर सकेंगी। उन्होंने छात्राओं से अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम के साथ शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य अतिथियों ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए शासन की इस जनकल्याणकारी योजना की सराहना की। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हीरालाल सोनकर, उपसरपंच राजेश चक्रधारी, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक महिपाल साहू, शाला के प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय परिवार द्वारा किया गया तथा अंत में सभी ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धूमधाम से निकाली जाएगी श्री जगन्नाथ रथयात्रा, तैयारी में जुटे आयोजक

कुरूद। नगर में इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से पारंपरिक और भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा 2026 का आयोजन होने जा रहा है। श्री जगन्नाथ समिति कुरुद द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय धार्मिक उत्सव में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। समिति द्वारा जारी कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत 15 जुलाई बुधवार को दोपहर 12:00 बजे से भगवान का वस्त्र श्रृंगार एवं हवन पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 16 जुलाई गुरुवार दोपहर 3:00 बजे से भव्य शोभा यात्रा रथयात्रा के रूप में निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा पुरानी मंडी चौक, कुरुद से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। इसका निर्धारित रूट चंडी मंदिर, पुराना बाजार, सरोजनी चौक, कारगिल चौक, चंडी मंदिर रहेगा।

श्री जगन्नाथ समिति कुरुद ने समस्त धर्मप्रेमी जनता, श्रद्धालुओं और नागरिकों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ कमाने और कार्यक्रम को सफल बनाने का सादर अनुरोध किया है। इसी तरह कुरुद की परंपरा अनुसार दो और स्थानों से रथयात्रा निकाली जाएगी, जिसके लिए भक्त गण जुटे हुए है।

सभी जनपद पंचायतों में होगा वृक्षारोपण

बलौदाबाजार। चालू मानसून सीजन में व्यापक पैमाने पर पौधरोपण के उद्देश्य से जिले के सभी जनपद पंचायतों में विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा के दौरान वृक्षारोपण हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने बताया कि राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को पारदर्शी व सुगम बनाया जा रहा है। अब राशन कार्ड सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने से बन जाएगा। हितग्राहियों को जनपद कार्यालय का चक्कर नहीं लगाने पड़ेगा और समय सीमा में राशन कार्ड बन जाएगा। उन्होंने खाद्य अधिकारी और जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। गांव में मुक्तिधाम निर्माण,मरम्मत एवं शेड निर्माण को लेकर कलेक्टर शर्मा ने सभी जनपद सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी अच्छी तरह जांच करवा लें कि किस ग्राम पंचायत में मुक्तिधाम निर्माण शेष हैं या मरम्मत योग्य हैं तथा शेड निर्माण नहीं हुआ है। जिस भी ग्राम पंचायत में आवशयक हैं वहां शीघ्र निर्माण के लिये प्रस्ताव तैयार कराएं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही होने पर सबंधित की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिले की नावाचारी पहल हम होंगे कामयाब पोर्टल के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में नौकरी प्राप्त करने वाले 10 युवाओ को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कलेक्टर शर्मा ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए युवाओ को बधाई दी और इस पोर्टल में अन्य युवाओ को पंजीयन कराने प्रोत्साहित किया। इस दौरान राजस्व प्रकरण, एग्रीस्टेक पंजीयन, स्वामित्व कार्ड, सीपी ग्राम्स, मुख्यमंत्री जनदर्शन, सेवा सेतु, सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा के आवेदन, सुपोषित बचपन अभियान, नगर पालिकाओं में साफ सफाई, अतिक्रमण आदि की समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर दीसी गोते, अभिषेक गुप्ता, ए.आर.टंडन, निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिले के नए एसपी बंसल ने कार्यभार संभाला, मीडिया की चर्चा

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने कार्यभार संभालने के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मीटिंग हॉल में जिले के इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया प्रतिनिधियों से सौजन्य मुलाकात कर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने सभी पत्रकारों से परिचय प्राप्त किया और जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए मीडिया से सहयोग की अपेक्षा जताई। एसपी त्रिलोक बंसल ने कहा कि जनता की सुरक्षा और विश्वास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस और मीडिया के आपसी समन्वय तथा सहयोग से जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि बेमेतरा एक शांतिपूर्ण जिला है और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। चर्चा के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने शहर एवं जिले से जुड़े विभिन्न मुद्दों और जनहित के विषयों से एसपी को अवगत कराया। इस पर एसपी त्रिलोक बंसल ने सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसके सकारात्मक सुझाव पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने हमेशा नई चुनौतियां रहती हैं, लेकिन प्राथमिकता के आधार पर सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने जनहित के मुद्दों पर भविष्य में भी मीडिया से सहयोगात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश कुमार झा सहित जिले के विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों के जिला ब्यूरो प्रमुख और पत्रकार उपस्थित रहे।

महापौर रामू रोहरा ने किया ग्राम कण्डेल में आधुनिक पुस्तकालय का भूमिपूजन

धमतरी। ऐतिहासिक और गौरवशाली ग्राम कण्डेल में शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ गई। ग्राम के विद्यार्थियों, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 लाख की लागत से निर्मित होने वाले आधुनिक वाचनालय एवं पुस्तकालय लाइब्रेरी भवन का भूमिपूजन मुख्य अतिथि नगर निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा के कर-कमलों द्वारा विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि पुस्तकालय केवल भवन नहीं, बल्कि समाज के बौद्धिक विकास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव होते हैं। आधुनिक वाचनालय बनने से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को अध्ययन का बेहतर वातावरण मिलेगा तथा वे प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा की तैयारी कर अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की सुविधाएं गांवों के विकास को नई दिशा देने का कार्य करेंगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने इस महत्वपूर्ण सौगात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे ग्राम कण्डेल के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उपस्थित जनों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तकालय आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान, संस्कार और प्रगति का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती दिनेश्वरी साहू, ग्राम पंचायत कण्डेल के सरपंच गिरधर कुमार ढीमर, भारतीय जनता युवा मोर्चा भोथली मंडल के अध्यक्ष गिरीश साहू, उपाध्यक्ष ओमकार नेताम, प्राथमिक कृषि संस्था के अध्यक्ष यतीश भूषण श्रीवास्तव सहित ग्राम पंचायत के समस्त पंचगण, वरिष्ठ नागरिक, गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए ग्राम के सर्वांगीण विकास के लिए सभी के सहयोग और सहभागिता की सराहना की गई।

युवाओं को सुविधाएं प्रदान करने प्रतिबद्ध है विष्णु देव सरकार : रंजना साहू

धमतरी। क्षेत्र की युवा खेल प्रतिभाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू के लगातार प्रयासों से अब धमतरी जिले के ग्राम रौंवा, लोहरसी एवं पोटियाडीह में आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्र के युवा खेल सुविधाओं की कमी से जूझ रहे थे। न खेल का मैदान था, न ही अभ्यास के लिए कोई उचित व्यवस्था। इसी समस्या को देखते हुए रंजना साहू ने शासन-प्रशासन के समक्ष इस मांग को प्रमुखता से उठाया। स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों का कहना है कि रंजना साहू ने हर बैठक और जनसंपर्क में युवाओं के खेल के मुद्दे को उठाया। उनके इसी प्रयास का परिणाम है कि अब इन गांवों में स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। खबर मिलते ही रांवा, लोहरसी एवं पोटियाडीह के युवाओं में खुशी की लहर है। ग्रामीणों का मानना है कि स्टेडियम बनने से न सिर्फ खेल को बढ़ावा मिलेगा बल्कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भी धमतरी के खिलाड़ी अपना नाम रोशन करेंगे। रंजना साहू ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ग्रामीण प्रतिभाओं को शहरों की तरह सुविधाएं मिलें। खेल से अनुशासन और स्वास्थ्य दोनों बनता है। स्टेडियम बनने से यहां के बच्चों को बड़ा मंच मिलेगा। स्टेडियम निर्माण से क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी और हजारों युवा इसका लाभ उठा पाएंगे। भाजपा जिला महामंत्री राकेश साहू, रांवा मंडल अध्यक्ष अमन राव, आमदी मण्डल अध्यक्ष विनय जैन, महामंत्री दमयंती साहू, महामंत्री राकेश सिन्हा, तरुण साहू, महामंत्री अनिल तिवारी, नामदेव राय, भूषण साहू, चेतन देवांगन, जितेंद्र यादव, तेजराम, नरेंद्र हिरवानी, युवराज सिन्हा, गोविंदा निर्मलकर, भूषण देवांगन, देवनारायण साहू, संतराम साहू, लक्ष्मी गंजीर, केदार यादव, देव सिंग गंजीर, मानिक साहू, नामदेव राय, दानीराम साहू, शंकर सिन्हा सहित ग्रामीणों ने राज्य सरकार एवं रंजना साहू का आभार जताया।

राशन कार्ड का किया जा रहा निःशुल्क सत्यापन

बलौदाबाजार। राशन कार्ड का सत्यापन निःशुल्क किया जा रहा है। इसके लिये हितग्राहियों को ग्राम पंचायत या विकासखंड स्तर पर कोई शुल्क देय नहीं हैं। खाद्य अधिकारी ने बताया कि पंचायत संचानालय द्वारा जनपद पंचायत सीईओ को जारी एक पत्र का हवाला देते हुए सचिव एवं सरपंच द्वारा राशन कार्ड सत्यापन के नाम पर पैसा देना पड़ेगा कहकर हितग्राहियों से 200 से 250 रुपए वसूली किया जा रहा है,जबकि पत्र में कहा गया है कि 16 वे वित्त आयोग की 20 प्रतिशत राशि ग्राम पंचायतों को तब तक जारी नहीं किए जाए जब तक पंचायत स्वयं 1200 रुपये प्रति परिवार टैक्स कलेक्शन ना कर ले। उन्होंने बताया कि इस पत्र का राशन सत्यापन से कोई लेना देना नहीं है। हितग्राही किसी तरह की भ्रान्ति में न रहे।

समय सीमा और गुणवत्ता पर हो जवाबदेही सुनिश्चित : विजय मोटवानी

धमतरी। नगर निगम के नव पदस्थ आयुक्त अरुण वर्मा पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर निर्माणाधीन विकास कार्यों सहित बुनियादी सुविधाओं जिसमें सफाई एवं पानी निकासी को विशेष रूप से फोकस करते हुए पूरी टीम के साथ जायजा लेने निकले उनके साथ बालक चौक के पास एक लंबे समय से बरसाती पानी के भराव का दंश झेल रहे आम नागरिकों तथा वार्ड वासियों को सुविधा देने के लिए पुल को तोड़कर मकई तालाब तक पानी पहुंचाने की जो कवायद की जा रही है।

उसकी वास्तविक स्थिति से अवगत होते हुए शीघ्रता से इस कार्य को पूर्णता प्रदान करने की बात कही है। गौरतलब है नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी निरंतर शहर के 40 वार्ड में सेवा कार्य को आगे बढ़ाने के लिए महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं जिसका ही परिणाम है कि करोड़ों के राशि से आगामी समय में बड़े-बड़े कार्य नगर की विकास की बुनियाद रखेगी। जिस पर मोटवानी ने कहा है कि निगम के माध्यम से आम जनमानस का विश्वास जीतने के लिए हम सबको सामूहिक रूप से विकास कार्यों में निर्धारित समय का पालन करते हुए गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने हेतु ईमानदारी के साथ कार्य को सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। विकास कार्यों का निरीक्षण के समय नगर निगम के उप आयुक्त पीसी सर्वा अभियंता महेंद्र जगत, स्वच्छता प्रभारी शशांक मिश्रा, सब इंजीनियर लोमश देवांगन, कमलेश ठाकुर, नमिता नागवंशी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

मनोनीत पार्षदों को निगम सभागार में कलेक्टर ने दिलाई सत्य निष्ठा की शपथ

धमतरी। नगर पालिक निगम धमतरी के सभागार में मनोनीत पार्षदों एल्डरमैन का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सभी मनोनीत पार्षदों को सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के दौरान प्रमुख रूप से महापौर रामू रोहरा, सभापति कौशल्या देवांगन, आयुक्त अरुण वर्मा एवं उपायुक्त पीसी सार्वा मौजूद रहे। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम परिवार में उनकी सहभागिता से शहर के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनहित से जुड़े निर्णयों में उनके अनुभव और सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी से समन्वय और सकारात्मक सोच के साथ धमतरी के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करने का आह्वान किया। इसके साथ ही महापौर परिषद के सदस्य तथा पार्षद गण और गणमान्य नागरिक भी इस शपथ ग्रहण के साक्षी बने। मनोनीत पार्षदो के परिवारजन एवं चित परिचित सभी शपथ ग्रहण में शामिल हुए। शपथ ग्रहण करने वाले मनोनीत पार्षदों में अशोक सिन्हा, प्राची सोनी, रितिका यादव, अरविंदर मुंडी, सीमा चौबे, दिलीप पटेल, विजय सिंह ठाकुर एवं भागवत यादव शामिल थे। सभी ने बारी बारी से सत्य निष्ठा की शपथ ली। महापौर रामू रोहरा, सभापति कौशल्या देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षदों एवं शुभचिंतकों ने मनोनीत पार्षदों को बधाई दिया। महापौर और सभापति ने शपथ ग्रहण के पश्चात सभी मनोनीत पार्षदों को शुभकामनाएं संदेश दिया। सभागार में भारी उत्साह के साथ शपथ ग्रहण का समारोह हुआ जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिक तथा गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। शपथ से पूर्व सभी मनोनीत पार्षदों का निगम के अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया।

आयोग ने दिलाई मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि

बलौदाबाजार। बीमा कंपनी द्वारा प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि प्रदाय नहीं किये जाने के मामले में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार द्वारा बीमा कंपनी को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत बीमा क्षतिपूर्ति राशि 200000 एवं उपभोक्ता को मानसिक व आर्थिक क्षतिपूर्ति हेतु राशि 15000 तथा वाद-व्यय हेतु 7000 रूपये एवं खाते में पूर्व जमा राशि 27288 परिवादिनी को प्रदाय किये जाने का आदेश दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम साबर, तहसील कसडोल निवासी परिवादिनी तिहारीन बाई पैकरा के पति स्व. फागुलाल पैकरा का भारतीय स्टेट बैंक कसडोल में खाता था जिससे मृतक फागुलाल पैकरा द्वारा प्रीमियम राशि देकर विरोधी पक्षकार नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड रायपुर से प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना पालिसी लिया था। दुर्घटना में फागुलाल पैकरा की मृत्यु होने पर मृतक की पत्नी परिवादिनी तिहारीन बाई पैकरा द्वारा मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि प्राप्त करने बाबत बीमा कंपनी के कार्यालय में बीमा दावा प्रस्तुत किया गया। बीमा कंपनी द्वारा बीमा दावा निरस्त कर दिया गया जिससे परिवेदित होकर परिवादिनी ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार में परिवाद प्रस्तुत किया। आयोग के अध्यक्ष रंजना दत्ता एवं सदस्यगण हरजीत सिंह चांवला व शारदा सोनी ने पेश दस्तावेजों एवं संबंधित नियम आदि का सूक्ष्मता से अध्ययन कर पाया कि बीमा कंपनी द्वारा बीमा दावा निरस्त करने का मूल आधार लिया गया है कि मृतक द्वारा स्वयं लापरवाहीपूर्वक मोटर सायकल चलाते हुये दुर्घटना कारित किया है एवं उसके पास वैध व प्रभावी ड्राइविंग लाइसेंस नही था व आवश्यक दस्तावेज पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश नही किया गया है ।

संक्षिप्त समाचार

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने संभाला कार्यभार

रायपुर। राज्य शहरी विकास अभिकरण के नए सीईओ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने नवा रायपुर में इंद्रावती भवन स्थित सूडा मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद सूडा और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी ली। श्री अग्रवाल इससे पहले दुर्ग नगर निगम के आयुक्त के रूप में कार्यरत थे।सूडा के नए सीईओ श्री सुमीत अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों का समग्र विकास और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हम सभी विभागीय अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए काम करेंगे। श्री अग्रवाल के कार्यभार ग्रहण करने के दौरान सूडा के अतिरिक्त मुख्?य कार्यपालन अधिकारी श्री दुख्?यंत कुमार रायस्?त, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य, उप संचालक श्रीमती अर्पिता पाठक, अधीक्षण अभियंता श्री रमेश सिंह, सूडा के उप मुख्?य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील अग्रहरि और श्री सचित कुमार साहू सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

आवासीय भवन का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करते हुए संचालित लघु वाटर फिल्टर प्लांट को सीलबंद किया

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त सौमित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग की टीम ने जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन एवं कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश्वर रामटेके, उपअभियंता नगर निवेश टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निगम जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भाठागांव आवासीय कालोनी में आवासीय भवन का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करते हुए संचालित लघु वाटर फिल्टर प्लांट के संबंध में प्राप्त जनशिकायत पर स्थल निरीक्षण उपरांत पूर्व में सबंधित संचालक दिनेश वधानी को नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में व्यावसायिक गतिविधि बंद करने के निर्देश दिये गये थे। किंतु नोटिस की शर्तों का पालन ना किये जाने एवं आवासीय भवन में अवैध व्यावसायिक गतिविधि का सवालन पाये जाने पर नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग द्वारा संबंधित स्थल पर पहुंचकर लघु वाटर फिल्टर प्लाट को तत्काल सीलबंद करने की कड़ी नियमानुकुल कार्यवाही की गई। नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग द्वारा सीलबंदी की कार्यवाही छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं प्रचलित नियमों के अंतर्गत की गई। भविष्य में बिना सक्षम अनुमति से सील हटाकर व्यावसायिक गतिविधि सचालित किये जाने पर प्रकरण में नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

19 जुलाई को मालवीय रोड पहुंचेंगे जैन मुनिगण, चातुर्मास की तैयारियां तेज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति – सूर्यकान्त राठौड़ ने राजधानी शहर रायपुर के मालवीय रोड में रूपकला साड़ी सेंटर के पास की गली में दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट प्रबंधन, गंदे पानी की सुगम निकासी की व्यवस्था सतत मॉनिटरिंग करवाते हुए चातुर्मास अवधि में सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं. दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन में इस वर्ष चातुर्मास अवधि में देश भर से दिगंबर जैन समाज के मुनिगण पधारेंगे. उनका सुआगमन यहां दिनांक 19 जुलाई 2026 को होगा एवं चातुर्मास सम्बंधित आयोजन दिनांक 19 जुलाई से प्रारम्भ हो जायेगे. इस सम्बन्ध में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष संजय नायक ने नगर निगम सभापति – सूर्यकान्त राठौड़ से मिलकर उन्हें अनुरोध पत्र लिखकर चातुर्मास में दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग मालवीय रोड में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, अन्य मौलिक सुविधा व्यवस्थायें नगर निगम रायपुर के माध्यम से किये जाने का विनम्र अनुरोध किया है. इस पर आज नगर निगम सभापति – सूर्यकान्त राठौड़ ने नगर निगम जोन 4 जोन अध्यक्ष – मुरली शर्मा, जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अधियंता – शेखर सिंह, उपअभियंता – हिमांशु चंद्राकर एवं अन्य निगम जोन 4 अधिकारियों, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष – संजय नायक एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया एवं दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट प्रबंधन, गंदे पानी की सुगम निकासी का प्रबंधन सहित अन्य आवश्यक मौलिक व्यवस्थायें नगर निगम जोन 4 क्षेत्र में जोन के माध्यम से करवाकर मॉनिटरिंग करवाकर दिनांक 19 जुलाई 2026 के पूर्व अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था दिया जाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने सम्बंधित निगम जोन 4 अधिकारियों को निर्देशित किया है.

महतारी वंदन योजना से चमकी ग्रामीण महिलाओं की किस्मत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन और वादों के प्रति प्रतिबद्धता का सीधा लाभ प्रदेश की महिलाओं को मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा 'महतारी वंदन योजना' के तहत सफ्लतापूर्वक 29वीं किस्त की राशि पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सीधे अंतरित (डीबीटी) कर दी गई है। नियमित रूप से मिल रही इस आर्थिक सहायता ने ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के जीवन को न केवल सुगम बनाया है, बल्कि उनके भीतर सरकार के प्रति एक मजबूत विश्वास और संतोष का भाव भी जगाया है। योजना से मिलने वाली राशि ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के लिए छोटी-छोटी मगर बेहद जरूरी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने का मुख्य जरिया बन चुकी है। कोंटा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोलमपल्ली की निवासी सविता करतम ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें योजना की 29वीं किस्त प्राप्त हो चुकी है। सविता इस राशि का उपयोग अपने घर के लिए रसोई गैस सिलेंडर खरीदने में करती हैं, जिससे उनके पूरे परिवार को बड़ी सहूलियत मिल रही है। उन्होंने महिलाओं के इस वास्तविक आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री का सहृदय आभार व्यक्त किया। यह योजना सिर्फ रसोई खर्च तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी के भविष्य को संवारने में भी अपनी अहम भूमिका निभा रही है। पोलमपल्ली की ही एक अन्य हितग्राही करतम मासे ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाले पैसों को वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और शिक्षा से जुड़ी अन्य जरूरतों पर खर्च करती हैं। उन्होंने कहा कि इस निरंतर वित्तीय सहायता से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने में उन्हें सीधे तौर पर एक बड़ा संबल मिला है। महतारी वंदन योजना आज छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मसम्मान और आर्थिक स्वावलंबन का प्रतीक बन चुकी है।

दशकों तक नक्सल हिंसा ने विकास, शिक्षा और जनजीवन को किया प्रभावित

अब बस्तर शांति और विश्वास के नए दौर की ओर अग्रसर-सीएम साय

- सुरक्षा बलों के साहस, स्थानीय जनसहयोग और पुनर्वास नीति से मिली निर्णायक सफलता
- बस्तर को देश का अग्रणी जनजातीय संभाग बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे कदम : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में नक्सलवाद से मुक्ति के लिए केंद्र सरकार के ऐतिहासिक सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने दशकों तक नक्सल हिंसा के रूप में एक गंभीर चुनौती का सामना किया है। अब केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा बस्तर की जनता के विश्वास और सहयोग से प्रदेश इस चुनौती से निर्णायक रूप से मुक्त होकर शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह सफलता अनेक वर्षों के सतत प्रयासों, सुनियोजित रणनीति, सुरक्षा बलों के पराक्रम तथा आम नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला पुलिस बल, विशेष सुरक्षा इकाइयों तथा अभियान में सहभागी सभी सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए समन्वित सुरक्षा एवं विकास आधारित रणनीति अपनाई। केंद्रीय

गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा अभियानों की सतत समीक्षा, संसाधनों की उपलब्धता तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया, जिससे अभियान को अपेक्षित गति मिली। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त 2024 को रायपुर में आयोजित नक्सल प्रभावित राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की उच्च स्तरीय बैठक के बाद नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अनुरूप सुरक्षा अभियानों को गति देने के साथ-साथ विकास कार्यों का भी समानांतर विस्तार किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भी अभियान की नियमित समीक्षा की। स्वयं उन्होंने बस्तर क्षेत्र का लगातार दौरा कर सुरक्षा बलों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न गांवों में पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ समाज के उन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया, जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा व्यक्त की। इसी उद्देश्य से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए व्यापक और मानवीय नीति लागू की गई। उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराए गए। इससे बड़ी संख्या में लोगों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

अबूझमाड़ का स्वाद पहुँचा विधानसभा अरक चावल की महक से-वनमंत्री केदार कश्यप...

- दीदियों के हुनर ने जीता जनप्रतिनिधियों का दिल

रायपुर/ संवाददाता

अरक (अथवा अरवा) चावल बिना उबाले (कच्चे) धान से तैयार किया गया चावल है। यह अपनी प्राकृतिक सुगंध, खिले हुए दानों और पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है। पारंपरिक खेती के तरीकों से उगाए जाने वाले इन चावलों में एक खास सुगंध होती है जो पकने के दौरान पूरी रसोई को महका देती है। नारायणपुर के घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसी अबूझमाड़ की सदियों पुरानी पाक संस्कृति ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के गलियारों में अपनी अनूठी छाप छोड़ी। विधानसभा परिसर में आयोजित एक विशेष खाद्य प्रदर्शनी में जब जनप्रतिनिधियों के सामने अबूझमाड़ के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन परोसे गए, तो हर कोई इस समृद्ध विरासत का मुरीद हो गया। ?यह आयोजन केवल व्यंजनों का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि नारायणपुर की जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कृषि उत्पादों और महिला सशक्तिकरण की एक शानदार सफलता की कहानी है। इस विशेष आयोजन में सबसे बड़ा आकर्षण रहा अबूझमाड़ का पारंपरिक श्अरक चावलश्। हल्के पीले रंग और अपनी भीनी-भीनी प्राकृतिक खुशबू के लिए पहचाने जाने वाले इस चावल से बनी खीर ने विधानसभा में मौजूद सभी मंत्रियों, विधायकों और अतिथियों का दिल जीत लिया। इस खीर का

स्वाद चखने के बाद जनप्रतिनिधियों ने इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की और इसे छत्तीसगढ़ की एक अनमोल और दुर्लभ खाद्य धरोहर बताया।अबूझमाड़ के इन पारंपरिक स्वादों को सुदूर अंचलों से निकालकर राज्य के शीर्ष सदन तक पहुँचाने का यह सफ्र आसान नहीं था। इस पूरी पहल को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन मंत्री श्री केदार कश्यप और नारायणपुर कलेक्टर,जिनके मार्गदर्शन और दूरदर्शी प्रयासों ने इस आयोजन को एक बड़े मंच पर स्थापित किया। इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को तो प्रदर्शित किया ही, साथ ही स्थानीय महिलाओं के कौशल और आत्मनिर्भरता को भी एक नया आयाम दिया है। स्व-सहायता समूह की दीदियों ने अपनी कड़ी मेहनत से साबित कर दिखाया कि यदि सही मंच मिले, तो वनांचल के पारंपरिक ज्ञान को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा सकता है। ?अबूझमाड़ की पाक परंपरा केवल भोजन नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। विधानसभा में मिला यह सम्मान हमारे पारंपरिक कृषि उत्पादों और स्थानीय महिलाओं की आत्मनिर्भरता को एक नई दिशा देगा।

कम लागत,अधिक उत्पादन की ओर बढ़ते है किसान.....

- नैनो उर्वरकों ने बढ़ाया श्री अमर सिंह कंवर का विश्वास
- पर्याप्त भंडारण से मजबूत हुई कृषि व्यवस्था, अन्नदाताओं को मिल रहा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आधुनिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देते हुए किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। कोरबा जिले के ग्राम अमगांव निवासी कृषक श्री अमर सिंह कंवर लगभग दो एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। लंबे समय से पारंपरिक खेती कर रहे श्री कंवर ने पिछले वर्ष पहली बार नैनो उर्वरकों का उपयोग किया। इसके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए उन्होंने इस वर्ष भी अपनी फसल में नैनो उर्वरकों के उपयोग का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने सहकारी समिति कनबेरी से समय पर आवश्यक कृषि आदान सामग्री प्राप्त की। श्री कंवर ने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से खेती की लागत में कमी आई है, जबकि फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही उर्वरकों की बर्बादी भी कम हुई है और पर्यावरण के अनुकूल खेती को बढ़ावा मिला है। उनके अनुसार आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने से खेती पहले की तुलना में अधिक प्रभावी और लाभकारी बन रही है। उन्होंने सहकारी समिति में उपलब्ध व्यवस्थाओं की भी सराहना करते हुए कहा कि किसानों को आवश्यकतानुसार खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री सहजता से उपलब्ध कराई जा रही है। समितियों में पर्याप्त भंडारण होने से किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों तथा समय पर उपलब्ध कराई जा रही कृषि आदान सामग्री से जिले के किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। नैनो उर्वरकों का बढ़ता उपयोग न केवल उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि कम लागत, संतुलित पोषण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

ममता साहू ने संभाली छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की कमान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त डॉ. ममता साहू ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। शास्त्री चौक स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में उन्होंने कार्यभार संभालते हुए महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. ममता साहू ने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और सभी से समर्पण, पारदर्शिता

तथा संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपेक्षा की। उन्होंने आयोग के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग महिलाओं को न्याय दिलाने, उनकी शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण तथा उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं के हितों से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करेगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया, नगर निगम रायपुर के पार्षद महेश ध्रुव, दुर्गेश राव, श्रीमती रजनी शेंगडे, जितेन्द्र साहू, कृष्णा साहू, श्रीमती सीमा डहरिया, गीतेश साहू सहित आयोग के सचिव, सहायक संचालक, लेखाधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जुआ फड़ पर पुलिस का छापा, 5 जुआरी गिरफ्तार, 8 बाइक और 17,650 जब्त

रायपुर। जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन अंकुश' के तहत धरमजयगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम उदउदा में संचालित जुआ फड़ का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से पांच जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17,650 रुपये नकद, ताश की गड्डी, जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री तथा करीब ढाई लाख रुपये मूल्य के आठ दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम उदउदा के आगे आम रास्ते पर कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर 'काट-पत्ती' जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर एसडीओपी सिद्धांत तिवारी के निर्देशन और थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जांगड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर छापेमारी की।

बालोद में मोर गांव-मोर पानी महाअभियान बना जनआंदोलन

2.85 लाख जल संरचनाओं से बढ़ी जल संचयन क्षमता

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान अब केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने का एक सफ्ल जनआंदोलन बन चुका है। जनभागीदारी, श्रमदान और महिला स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को अभूतपूर्व सफ्लता दिलाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को लेकर एक बड़ी क्रांति आकार ले रही है। राज्य शासन की 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण' (वीबीजी-रामजी योजना) के तहत संचालित 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान अब प्रदेशभर में एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। इसी कड़ी में बालोद जिले ने जल सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की दिशा में एक बड़ी और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिला प्रशासन बालोद द्वारा जनभागीदारी के समन्वय से जिले में अब तक 2.85 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण व पुनर्जीवन किया जा चुका है। इन संरचनाओं के माध्यम से जिले में लगभग 19.23 लाख घनमीटर अतिरिक्त जल संचयन क्षमता विकसित की गई है। इस महत्वपूर्ण पहल से:भू-जल स्तर (वाटर टेबल) में उल्लेखनीय सुधार होगा।खेतों की मिट्टी में नमी बनी रहेगी।किसानों को खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों के लिए भी सुनिश्चित सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। अभियान के तहत जिले के प्रत्येक शासकीय भवन में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त सतही जल संचयन के लिए रिचार्ज शाफ्ट, डबरी, तालाब, ट्रेंच और सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया जा रहा है। बेकार पड़े निष्क्रिय बोरवेलों को रिचार्ज

करने के साथ-साथ तालाबों के गहरीकरण और चेकडैम निर्माण को भी गति दी गई है। इस महाअभियान की सबसे बड़ी ताकत स्थानीय आमजन और सामाजिक संगठन बने हैं। महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम विकास समितियों, महिला कमांडो, ग्रीन आर्मी और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता से तालाबों की स्वच्छता और वृक्षारोपण का कार्य जोरों पर है। जुलाई माह में अब तक 03 लाख से अधिक सीड बॉल का रोपण किया जा चुका है, जबकि 02 लाख पौधों के रोपण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राउंड लेवल पर किए गए कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं जनपद पंचायत गुरूर के ग्राम पंचायत अर्जुनी में 1200 नग ट्रेंच निर्माण, ग्राम पंचायत कुलिया में 01 हेक्टेयर क्षेत्र में मिश्रित फ्लोदयन रोपण तथा ग्राम पंचायत चंदनबिरही में गौठान के पास सी.सी. चेकडेम का निर्माण कार्य किया गया है। इसी तरह जनपद पंचायत गुंडरदेही के ग्राम पंचायत कोंगनी में 27,000 लीटर क्षमता का रिचार्ज पिट, बेलौदी में 6750 लीटर जलग्रहण क्षमता वाला रेनवाटर हार्वेस्टिंग, तवेरा में 2.82 लाख लीटर क्षमता का कुआं निर्माण, गब्दी में 05 केएलडी क्षमता का ग्रे-वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, चिरचार में 05 लीटर क्षमता का रेनवाटर हार्वेस्टिंग, खुरसुनी में 25,000 लीटर क्षमता का मैजिकपिट, मुंदेरा में 30 हजार लीटर क्षमता का असफ्ल बोर रिचार्ज शाफ्ट, माहुद (बी) में 16 लाख लीटर क्षमता की आजीविका डबरी तथा ओड़ारसकरी में चेकडेम का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। साथ ही ग्राम पंचायत खुरसुनी में 25,000 लीटर क्षमता का रिचार्ज पिट भी निर्मित है। जनपद पंचायत डौंडी के ग्राम सिंघनवाही में 12 लाख लीटर क्षमता की निजी आजीविका डबरी का निर्माण एवं ग्राम गुजरा में 35 लाख लीटर क्षमता के जल संचयन हेतु 4700 ट्रेंच निर्माण किया गया है।

संपादकीय

सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है। राम मंदिर की पृष्ठभूमि में दानपात्र, रुपये, वित्तीय दस्तावेज और आवर्धक लेंस (मैग्निफाइंग ग्लास) दर्शाती फीचर इमेज, जो राम मंदिर न्यास में कथित गबन, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाती है।राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके।विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है।इस संबंध में अब तक सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बाद स्थिति इतनी उलझ गई है कि जब तक विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक एक तरह की अस्पष्टता कायम रहेगी।विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े दिखे।सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है?लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं?हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार कानून के दायरे में एक परिभाषित अपराध है, तो उसके लिए सजा भी निर्धारित है।

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल, इंडो पेसीफिक के सारे समीकरण ही बदल कर रख दिये

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं।

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई।

इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू-रणनीतिक सोच का संकेत भी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है।

देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है।

हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है। राजनीति

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जलवायु परिवर्तन का बढ़ता संकट- जब मौसम छीनने लगे घर और पहचान

(मनीष जैसल)

वर्ष 2015 से 2024 के बीच भारत में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3.23 करोड़ से अधिक आंतरिक विस्थापन दर्ज किए गए। जलवायु परिवर्तन को सीधे तौर पर पर्यावरण का विषय माना जाता रहा है। सामान्यतः इसे हिमनदों के पिघलने, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा तक सीमित करके देखा गया है। मगर, इसका एक और पहलू है, जिस पर चर्चा बहुत कम होती है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन धीरे-धीरे मनुष्य के आवास, आजीविका, पहचान और अस्तित्व का संकट बनता जा रहा है।

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं, जिन्हें युद्ध, दंगे या उत्पीड़न नहीं, बल्कि बाढ़, समुद्री कटाव, सूखा और चक्रवात जैसी चरम मौसमी घटनाएं अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही हैं। इन्हें 'जलवायु शरणार्थी' भी कहा जाता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कानून में यह शब्द अभी औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह है कि जलवायु परिवर्तन लाखों लोगों को बेघर कर रहा है और वे शरणार्थी जैसा जीवन जीने के लिए विवश हैं।

भारत इस संकट के केंद्र में खड़े देशों में से एक है। आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र के अनुसार, वर्ष 2015 से 2024 के बीच भारत में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3.23 करोड़ से अधिक आंतरिक विस्थापन दर्ज किए गए। केवल 2024 में ही लगभग 54 लाख लोग बाढ़, तूफान और अन्य मौसमी आपदाओं के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए हैं। इन आंकड़ों में ऐसे परिवार हैं, जिनके घर बह गए, खेत पानी में डूब गए, रोजगार समाप्त हो गया और जिनके बच्चों की शिक्षा बीच में रुक गई। इस तरह के विस्थापन का सबसे बड़ा दर्द यही है कि यह लोगों को केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी अलग कर देता है।

देश के सुंदरबन क्षेत्र को इस त्रासदी का सबसे जीवंत उदाहरण कहा जा सकता है। बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित यह विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन क्षेत्र है, जहां समुद्र के बढ़ते जल स्तर, चक्रवातों और तटीय कटाव ने हजारों परिवारों को बार-बार विस्थापित किया है। घोरामारा द्वीप इसका प्रतीक बन चुका है। कभी हजारों लोगों का घर रहा यह द्वीप लगातार सिकुड़ता जा रहा है। खेतों में खारा पानी भरने से कृषि असंभव होती जा रही है और बड़ी संख्या में लोग कोलकाता तथा अन्य शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

असम का ब्रह्मपुत्र क्षेत्र दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। ब्रह्मपुत्र नदी हर वर्ष हजारों परिवारों को बेघर करती है। नदी के बीच स्थित 'चार' द्वीपों पर रहने वाले लोग अक्सर वर्ष में कई बार अपना घर बदलने को मजबूर होते हैं। अनेक परिवार ऐसे हैं, जो बरसात में राहत शिविरों में रहते हैं और पानी उतरने के बाद फिर उसी असुरक्षित भूमि पर लौट आते हैं।

उत्तराखंड और अन्य पहाड़ी राज्यों की स्थिति भी ऐसी ही है। यहां बादल फटना, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ गांवों को असुरक्षित बना रही हैं। जोशीमठ का भू-धंसाव हो या केदारनाथ त्रासदी, इन घटनाओं ने यह संदेश दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब पहाड़ों को भी सुरक्षित नहीं छोड़ रहा। मौसमी घटनाओं के कारण देश में लोगों की जान जाने का आंकड़ा पिछले पच्चीस वर्षों में 269 फीसद तक बढ़ा है।

बिहार, झारखंड और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में इस संकट का रूप अलग है। यहां सूखा और कृषि में कमी लोगों को रोजगार की तलाश में बड़े पैमाने पर पलायन के लिए मजबूर कर रही है। जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असुरक्षा मिलकर ऐसे 'धीमे विस्थापन' को जन्म दे रहे हैं, जो अचानक नहीं दिखता, लेकिन समाज को भीतर से बदल देता है।

सबसे ज्यादा चिंता का विषय है जलवायु शरणार्थियों की कोई स्पष्ट कानूनी पहचान न होना। समस्या यह है कि संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद जलवायु विस्थापितों के पुनर्वास, पहचान और सामाजिक सुरक्षा के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय कानून मौजूद नहीं है। परिणामस्वरूप अनेक परिवार वर्षों तक अस्थायी बस्तियों, किराए के कमरों या अनौपचारिक श्रम बाजारों में जीवन बिताते हैं। विशेष रूप से दलित, आदिवासी और भूमिहीन समुदाय पुनर्वास योजनाओं से बाहर रह जाते हैं, क्योंकि उनके पास भूमि स्वामित्व के औपचारिक दस्तावेज नहीं होते। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। वर्ष 1951 का शरणार्थी सम्मेलन केवल उत्पीड़न, युद्ध या राजनीतिक कारणों से विस्थापित लोगों को शरणार्थी मानता है। जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित व्यक्ति इस परिभाषा में नहीं आते। इसलिए अधिकांश जलवायु शरणार्थियों को इस अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षण नहीं मिल पाता। हालांकि, दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में कदम उठाए हैं। न्यूजीलैंड ने जलवायु जोखिम वाले प्रशांत द्वीपीय देशों के नागरिकों के लिए विशेष प्रवासन मार्गों पर विचार किया है। फिजी ने नियोजित पुनर्वास की नीति अपनाई है। अफ्रीकी देशों में कंपाला कन्वेंशन आंतरिक विस्थापन से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय ढांचा प्रदान करता है।

बेटी और मेरे पिता-मेरा कर्म, मेरा भाग्य और एक अलौकिक यात्रा - आचार्य अंजना

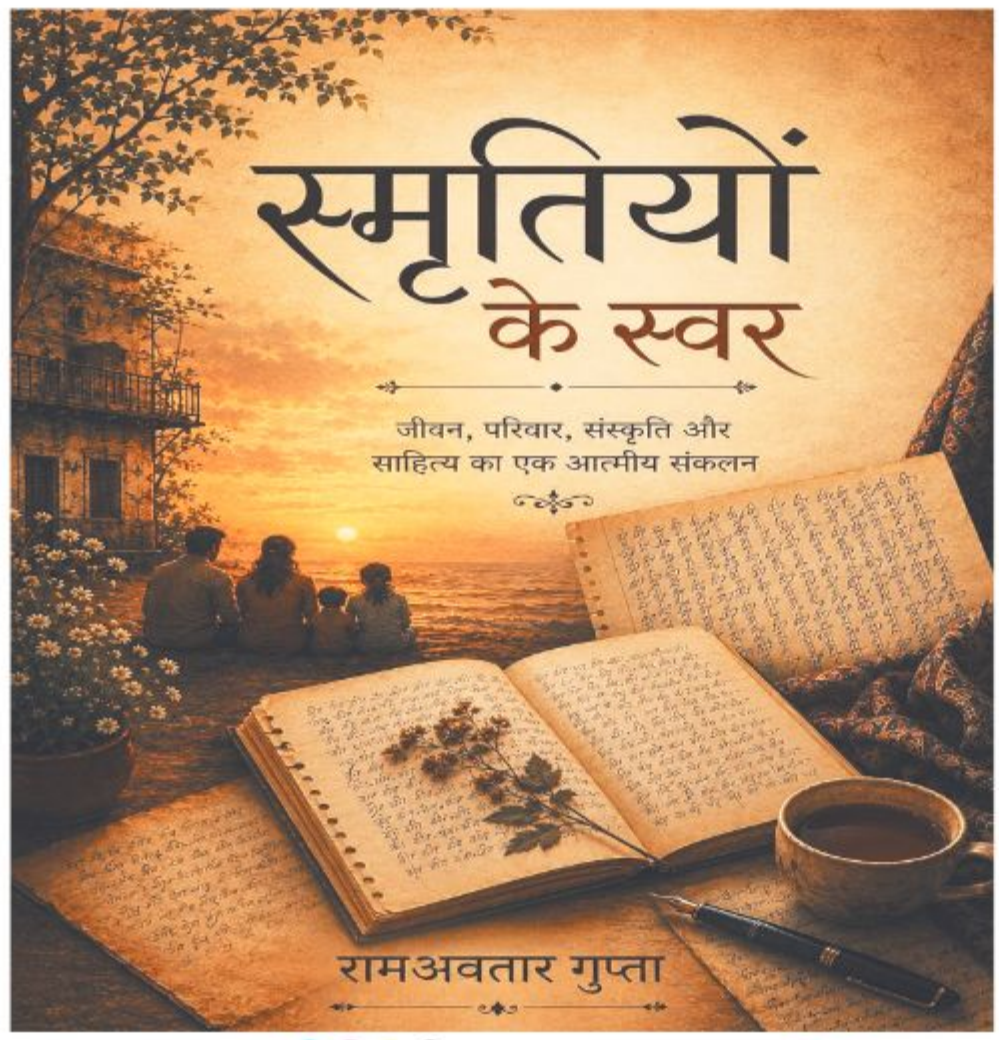

जीवन में कुछ रिश्ते केवल खून के नहीं होते, बल्कि वे आत्मा और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के तारों से जुड़े होते हैं। मेरे पिता का मेरे जीवन में होना केवल एक संयोग नहीं, बल्कि मेरे प्रारब्ध का सबसे खूबसूरत हिस्सा था। मैं उनकी पहली बेटी थी, और उस दौर में जब समाज में लड़कियों की शिक्षा को महत्व नहीं दिया जाता था, मेरे पिता ने मुझे आगे बढ़कर पढ़ाया। बचपन में मैं घंटों घर के बाहर उनका इंतजार करती थी, मन में हमेशा एक अनजाना सा डर रहता था कि कहीं वे खो न जाएं। आज जब वे सच में इस दुनिया से चले गए हैं, तो वह डर एक खालीपन में बदल गया है। लेकिन एक ज्योतिषी के रूप में जब मैं इस रिश्ते को देखती हूं, तो मुझे अपने हर सवाल का जवाब ब्रह्मांड के ग्रह-नक्षत्रों में मिल जाता है।

ज्योतिषीय दृष्टिकोण-पिता, कर्म और हृदय का संबंध

मेरी कुंडली के अनुसार, मेरे कर्म भाव (दसवें घर) में सिंह राशि आती है। सिंह राशि का स्वामी सूर्य है, जो पिता का प्राकृतिक कारक है। इसका सीधा अर्थ है कि मेरा कर्म ही मेरे पिता थे। मेरे दशम भाव का स्वामी (Tenth Lord) चतुर्थ भाव में बैठा है। चतुर्थ भाव हमारे हृदय, हमारी भावनाओं और हमारे मन (Deep inner thoughts) का होता है। यही कारण था कि मेरे पिता हमेशा मेरे ध्यान, मेरी आत्मा और मेरे मन के सबसे गहरे हिस्से में बसे रहते थे। इसी ग्रह स्थिति के कारण मैं उन्हें लेकर हमेशा इतनी प्रोटेक्टिव और अनसेफ महसूस करती थी, क्योंकि मेरा कर्म और मेरा हृदय दोनों ही मेरे पिता से गहराई से जुड़े थे।

पिता की आदतें और उनका ज्योतिषीय रहस्य- मेरे पिता पेशे से एक उच्च अधिकारी (सिविल इंजीनियर) थे। उनके अधीन कई लोग काम करते थे, नौकर-चाकर थे, लेकिन उनका व्यवहार हमेशा एक सौम्य और शांत इंसान का रहा। उनकी कुछ विशेष आदतें थीं, जो ज्योतिषीय दृष्टि से उनके मजबूत और संतुलित ग्रहों को दर्शाती हैं-

मिठाई और फल लाना- जब भी वे बाहर से आते, कुछ न कुछ फल या मिठाई जरूर लाते थे। ज्योतिष में यह बृहस्पति (गुरु) और शुक्र की उच्च स्थिति और उनके शुभ प्रभावों को दर्शाता है, जो घर में हमेशा सुख, समृद्धि और मिठास बनाए रखने का कारक है।

स्वच्छता का ध्यान और चप्पल-जूते बाहर रखना- वे हमेशा बाहर से ही चप्पल-जूते समेट कर रखते थे और हाइजीन का बहुत ध्यान रखते थे। यह मजबूत और सकारात्मक शनि और मंगल का प्रतीक है। बाहर की नकारात्मक ऊर्जा (राहु/केतु) को घर की दहलीज से बाहर ही रोक देना एक बहुत बड़ा व्यवहार आधारित उपाय%(Behavioral Remedy) है, जिसका वे अनजाने में ही पालन करते थे।

सादगी और सौम्यता- इतने बड़े अधिकारी होने के बावजूद उन्होंने कभी किसी को आदेश नहीं दिया। यह एक अत्यंत सात्विक और मजबूत सूर्य का लक्षण है, जो सत्ता में होने के बावजूद अहंकार से मुक्त रहता है।

शिक्षा के प्रति अनुशासन- सुबह 4-00 बजे (ब्रह्म मुहूर्त) उठकर हमें पढ़ाना और एक डंडी लेकर हमारी इंक्वायरी करना। यह सूर्य (नियम) और शनि (अनुशासन) का बेहतरीन तालमेल था। इसी अनुशासन ने हमारी नींव मजबूत की।

एक प्रगतिशील पिता और एक मजबूत सहारा- जिस दौर में लड़कियाँ जल्दी ब्याही जाती थीं, मैंने जब कहा कि मैं देर से विवाह करूंगी, तो मेरी माँ के विरोध के बावजूद मेरे पिता हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। यह उनके मजबूत और प्रगतिशील चंद्रमा (Empathy) और गुरु (Wisdom) को दर्शाता है। मेरी शादी के समय जब मैं अचानक बेहोश हो गई थी, तब उन्होंने जिस तरह मुझे संभाला, वह साबित करता है कि वे केवल मेरे पिता नहीं, बल्कि मेरे जीवन के सबसे बड़े रक्षक थे।

जीवनदान, आध्यात्मिकता और पूर्वाभास- मेरे पिता के जीवन में एक बड़ा हादसा हुआ था जब उन्हें सड़क पर हार्ट अटैक आया था। उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली के मेदांता अस्पताल ले जाया गया था। उस दिन उन्हें एक नया जीवन मिला। उस घटना के बाद वे 13 साल और जीवित रहे। यह समय उनके लिए पूरी तरह से आध्यात्मिक था। वे हमेशा भजन, गीता और भागवत पढ़ते रहते थे।

मृत्यु से पहले मुझे इसका पूर्वाभास हो गया था, जिसे मैं चाहकर भी उनसे कह नहीं सकती थी। कहीं न कहीं उनकी आत्मा को भी यह अहसास था, तभी वे बार-बार पूछते थे, ÷मैं जिंदा रहूंगा कि मर जाऊंगा?÷

पुष्य नक्षत्र में मोक्ष की प्राप्ति- मेरे पिता ने अपने प्राण पुष्य नक्षत्र में त्यागे। ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को सभी नक्षत्रों का राजा कहा जाता है, जिसके स्वामी शनि देव हैं। यह नक्षत्र आध्यात्मिक उन्नति और कर्मों के पूर्ण होने का प्रतीक है। शनि, जो न्याय के देवता हैं, उन्होंने मेरे पिता के श्रेष्ठ कर्मों के अनुसार उन्हें अपने पास बुला लिया। पुष्य नक्षत्र में देह त्यागना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उन्होंने इस जन्म के अपने सभी ऋण और कर्म पूरे कर लिए थे और अब उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो चुकी है।

आज मैं जो कुछ भी हूँ, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त ज्योतिषी के रूप में मेरा जो भी मुकाम है, वह सब मेरे पिता की देन है। मेरे लिए तो ÷मेरा कर्म ही मेरे पिता थे, और भाग्य तो पिता होते ही हैं।÷ उनका भौतिक शरीर भले ही आज मेरे साथ नहीं है, लेकिन उनकी दी हुई शिक्षा, उनका आशीर्वाद और उनके संस्कार मेरी आत्मा और मेरे काम में हमेशा रहें !

जगदलपुर में चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, एक फरार; न्यायिक रिमांड पर भेजे गए

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने कानून-व्यवस्था भंग करने और नशे की हालत में चाकू लहराकर मोहल्ले में दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में जिले में नशे और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बोधघाट पुलिस ने यह कार्रवाई की।पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई की रात राजेंद्र नगर वार्ड में कुछ युवकों ने हाथ में चाकू और डंडा लेकर उत्पात मचाया था। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। मामले में पीड़ित आशिफ कुरैशी ने 13 जुलाई को थाना बोधघाट में शिकायत दर्ज कराई।शिकायत के मुताबिक, वह अपने साथियों जुबेर खान और अनश कुरैशी के साथ बर्तन गोदाम के सामने खड़ा था। इसी दौरान अभिषेक पानीग्राही उर्फ बामन, रोहित पोयाम और सोनू बघेल नशे की हालत में वहां पहुंचे। तीनों ने खुद को इलाके का दादा बताते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। आरोप है कि अभिषेक और रोहित ने धारदार चाकू लहराकर जान से मारने की धमकी दी, जबकि सोनू बघेल ने डंडे से मकान के प्लास्टिक पाइप में तोड़फोड़ की। प्रकरण दर्ज कर विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी अभिषेक पानीग्राही उर्फ बामन (27 वर्ष), निवासी गंगानगर वार्ड और रोहित पोयाम (19 वर्ष), निवासी बहादुरगुड़ा को गिरफ्तार कर पूछताछ की। दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।पुलिस ने बताया कि मामले का तीसरा आरोपी सोनू बघेल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।इस कार्रवाई में प्रशिक्षु डीएसपी सुमित चंद्रा, निरीक्षक टामेश्वर चौहान, उपनिरीक्षक लोकेश्वर नाग सहित थाना बोधघाट पुलिस और पैंथर टीम के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मच्छरों को पनपने से रोकें, मलेरिया से बचें : जिला प्रशासन की अहम अपील

वर्षा ऋतु में सतर्क रहने और मलेरिया से बचाव के लिए प्रशासन ने दिए जरूरी सुझाव

सुकमा। बारिश के मौसम में मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन सुकमा पूरी गंभीरता के साथ सक्रिय है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से जिलेवासियों से अपील की है कि घर और आसपास किसी भी स्थान पर वर्षा का पानी जमा न होने दें। कूलर, पानी की टंकियां, गमले, पुराने टायर, ड्रम और अन्य पात्रों की नियमित सफाई कर पानी खाली करें तथा गड्ढों को भरकर समतल करें, ताकि मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मिचली और उल्टी जैसे लक्षण मलेरिया के संकेत हो सकते हैं।

ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराना और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार पूरा उपचार लेना आवश्यक है। साथ ही मच्छरदानी का नियमित उपयोग, पूरी बांह के कपड़े पहनना तथा मच्छररोधी उपाय अपनाना संक्रमण से बचाव के प्रभावी तरीके हैं। जिला प्रशासन ने जनसहभागिता को मलेरिया नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सभी नागरिकों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि सामूहिक प्रयास, स्वच्छ वातावरण और समय पर स्वास्थ्य जांच के माध्यम से मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। मच्छरों को पनपने से रोकें, स्वस्थ सुकमा के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं का संदेश देते हुए प्रशासन ने सभी से बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु वरिष्ठता क्रम मेरिट सूची जारी

कोंडागांव। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला कोण्डागांव के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ईकाई अंतर्गत एनएचएम/आर बी एस के/एस एन सी यू/ एन बी एस यू/यूएचडब्ल्यूसी/बीपीएचयू/चाइल्ड हेल्थ कार्यक्रम हेतु विभिन्न रिक्त पदों में विभिन्न पदों पर संविदा भर्ती हेतु पद विज्ञप्ति किये गये थे। जिसका दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं दावा आपत्ति निराकरण उपरांत पात्र/अपात्र सूची जारी उपरांत पात्र अभ्यर्थी की मेरिट सूची एवं संवर्गवार पात्र अभ्यर्थी 15 एवं 1:10 वरिष्ठताक्रम मेरिट सूची लिखित साक्षात्कार एवं कम्प्युटर कौशल दक्षता परीक्षा की तिथी एवं समय जिले के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

तथा कार्यालय कलेक्टर जिला कोण्डागांव एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.) के सूचना पटल में चस्पा कर दिया गया है। अतः अभ्यर्थी जिला कोण्डागांव विभागीय वेबसाइट में जा कर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.) के सूचना पटल में दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं दावा आपत्ति उपरांत पात्र/अपात्र सूची जारी उपरांत दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं पात्र अभ्यर्थी की मेरिट सूची एवं संवर्गवार पात्र अभ्यर्थी 1:5 एवं 1:10 वरिष्ठताक्रम मेरिट सूची लिखित साक्षात्कार एवं कम्प्युटर कौशल दक्षता परीक्षा की तिथी एवं समय का अवलोकन लिखित परीक्षा एवं कम्प्युटर कौशल दक्षता परीक्षा में वैद्य पहचान पत्र के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें। नोटः- संवर्गवार पात्र अभ्यर्थी 1:5 एवं 1:10 वरिष्ठताक्रम मेरिट सूची साक्षात्कार व कौशल परीक्षा एवं कम्प्युटर कौशल दक्षता परीक्षा हेतु पृथक से अभ्यर्थी को बुलावा पत्र या सूचना प्रदान नहीं किया जावेगा एवं सूची का अवलोकन कर तिथी अनुसार उपस्थित होना सुनिश्चित करें। साथ ही परीक्षा स्थल के संबंध में सूचना पृथक विभागीय वेबसाइट में अपलोड व सूचित किया जावेगा।

हर पात्र तक पहुंचे योजनाओं का लाभ, विकास कार्यों में देरी नहीं चलेगी : कलेक्टर विश्वदीप

टीएल बैठक में विभागों की समीक्षा, शिकायतों के समयबद्ध निराकरण और समन्वय के साथ काम करने के दिए निर्देश

बीजापुर। शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचाने और विकास कार्यों को तय समय में पूरा करने पर कलेक्टर विश्वदीप ने जोर दिया है। मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि पात्र लोगों तक समय पर उनका लाभ पहुंच सके। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड और बैंकिंग सुविधाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजी पोर्टल, सुशासन तिहार और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित आवेदनों एवं शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय से ही जनहित के मामलों का त्वरित समाधान संभव है। बैठक में जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, शिक्षा, स्वास्थ्य और विद्युत विभाग सहित अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरे किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल, संयुक्त कलेक्टर उत्तम पंचारी सहित जिले के सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।इन बिंदुओं पर कलेक्टर ने दिए विशेष निर्देश-योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान कर लाभ दिलाएं।महतारी वंदन, पीएम मातृत्व वंदना, आयुष्मान, आधार और राशन कार्ड के लिए विशेष अभियान चलाएं।

स्मार्ट डिवाइस से लैस हुए विवेचना अधिकारी, डिजिटल तकनीक से तेज होगी जांच प्रक्रिया

बीजापुर के सभी थानों में पदस्थ जांच अधिकारियों को मिले स्मार्ट मोबाइल, घटनास्थल से ही जुटा सकेंगे डिजिटल साक्ष्य

बीजापुर। जिले में पुलिस विवेचना को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में नई पहल की गई है। पुलिस मुख्यालय से मिले स्मार्ट मोबाइल डिवाइस अब जिले के सभी थानों में पदस्थ विवेचना अधिकारियों के हाथों में होंगे।

इन उपकरणों की मदद से जांच अधिकारी घटनास्थल से ही डिजिटल साक्ष्य जुटाने, फोटो-वीडियो सुरक्षित रखने और प्रकरण से जुड़ी जानकारी का ऑनलाइन आदान-प्रदान कर सकेंगे। सोमवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) अमन ज्ञा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना की मौजूदगी में विवेचना अधिकारियों को स्मार्ट डिवाइस वितरित किए। पुलिस मुख्यालय की इस पहल का उद्देश्य विवेचना को अधिक प्रभावी, तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्मार्ट डिवाइस के माध्यम से विभाग के डिजिटल एप्लीकेशन और पोर्टलों का उपयोग भी मौके पर ही किया जा सकेगा। इससे घटनास्थल से साक्ष्य संकलन और केस से जुड़े दस्तावेजों के आदान-प्रदान में तेजी आएगी। साथ ही विवेचना की गुणवत्ता में सुधार होगा और मामलों के वैज्ञानिक तरीके से शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी। बीजापुर पुलिस का कहना है कि आधुनिक तकनीक और डिजिटल संसाधनों के बेहतर उपयोग से आम लोगों को त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।स्मार्ट डिवाइस से बदल जाएगी विवेचना की कार्यप्रणाली-घटनास्थल से तत्काल डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा सकेंगे।फोटो और वीडियो साक्ष्यों का सुरक्षित डिजिटल संधारण होगा।प्रकरण से जुड़े दस्तावेजों का ऑनलाइन आदान-प्रदान संभव होगा। विभागीय डिजिटल एप और पोर्टलों का मौके पर ही उपयोग किया जा सकेगा। विवेचना अधिक तेज, पारदर्शी और वैज्ञानिक होगी, जिससे मामलों के शीघ्र निराकरण में मदद मिलेगी।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियानः कोंटा में छात्राओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुरक्षा का दिया संदेश

सुकमा। कोंटा विकासखंड में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में मंगलवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विषयों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य, आत्मरक्षा एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त और आत्मविश्वासी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद सुकमा की उपाध्यक्ष एवं अभियान की जिला संयोजक भुवनेश्वरी यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जिनका विद्यालय परिवार ने पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनप्रतिनिधि राजकुमार श्रीवाने तथा रमेश यादव उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्राओं को शिक्षा के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित स्वास्थ्य, आत्मरक्षा और महिला सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षित और जागरूक बेटियां ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं।

पांच करोड़ का आबंटन जारी हुआ लेकिन मेडिकल कालेज में बदबूदार पानी के फैलाव की समस्या से निजात मिलेगी दो महीने बाद

पीडब्ल्यूडी का मुंह ताकना मजबूरी मेडिकल कालेज प्रबंधन की।

जगदलपुर। बस्तर और आसपास के इलाकों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के मकसद से संभाग मुख्यालय में 2018 में मेडिकल कॉलेज बनाया गया था। इसके साथ ही लोगों को उच्च स्तरीय सस्ता इलाज देने के दावे भी किए गए थे। वहीं इसके निर्माण को लेकर बरती गई लापरवाही अब मरीज के साथ-साथ उनके परिजनों और स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। दरअसल जब कॉलेज बनाया जा रहा था तो तात्कालिक ठेकेदारों ने 8 इंच की जगह 4 इंच की पाइप डाल दी थी। कम चौड़ाई के कारण पाइपलाइन आए दिन चोक हो जाती है। उसका नतीजा यह है कि टॉयलेट का गंदा पानी मेडिकल कॉलेज परिसर में फैल जाता है। जिससे स्टाफ मरीज समेत अन्य लोगों का आना-जाना,काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। 2 दिन पहले ऐसी ही स्थिति से वहां मौजूद सभी को गुजरना पड़ा। इधर इतनी बड़ी समस्या को देखते हुए राज्य शासन ने इस काम को दुरुस्त करने के लिए 5 करोड़ का आवंटन जारी कर दिया है। बावजूद इसके निकट भविष्य में इससे राहत मिलते नजर नहीं आ रही।दो करोड़ की राशि ट्रांसफर हो गई है पीडब्ल्यूडी को-मेडिकल कॉलेज में सबसे बड़ी समस्या यह है कि सीवरेज में बड़ी कैपेसिटी के बजाय छोटे पाइप डाले गए थे। कचरा फंसने पर सीवरेज लाइन चोक हो जाती है। बैक प्रेशर पड़ने पर गंदा पानी वार्डों तक फैल जाता है। कॉलेज प्रबंधन ने शासन से मिली राशि में से प्रथम चरण में 2 करोड रुपए पीडब्ल्यूडी को ट्रांसफर भी कर दिए हैं। वही पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री दिनेश देवांगन ने बताया कि 5 करोड़ की राशि का काम है। इसमें टेंडर की प्रक्रिया में कुछ निर्धारित समय लगता है। दो माह के बाद जैसे ही सारी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी मेडिकल कॉलेज में काम करवाया जाएगा। मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू ने बताया कि शासन से राशि जारी हो चुकी है। चरणबद्ध तरीके से यह राशि पीडब्ल्यूडी के खाते में जाएगी। समस्या का समाधान जितनी जल्दी हो जाए उसकी उम्मीद की जा रही है।

साइंस पार्क और वीआर लैब ने बढ़ाई छात्राओं की वैज्ञानिक सोच

साइंस पार्क भ्रमण से विज्ञान के सिद्धांतों को समझीं छात्राएं

सुकमा। बालिका आवासीय विद्यालय (पोटाकेबिन) कुम्हारास की 40 छात्राओं ने मंगलवार को साइंस पार्क का शैक्षणिक भ्रमण कर विज्ञान के सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप में समझा। छात्राओं ने ऊर्जा, न्यूटन के तृतीय नियम, दर्पण, लोलक, घर्षण, गुरुत्वाकर्षण, अपकेंद्रीय बल सहित विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों का अवलोकन किया और स्वयं प्रयोग कर उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सिद्धांतों को जाना। अब तक पुस्तकों में पढ़े गए विषयों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिलने से छात्राओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, रुचि और सीखने का उत्साह और बढ़ गया।भ्रमण के दौरान छात्राओं ने अत्याधुनिक एआर/वीआर लैब का भी अवलोकन किया, जहां वर्चुअल रियलिटी हेडसेट के माध्यम से पदार्थ के प्रकार, कोशिकाओं की कार्यप्रणाली, ईंधन के प्रकार, गैस एवं पेट्रोलियम तथा विश्व धरोहर स्थलों जैसे विषयों पर रोचक शैक्षणिक वीडियो प्रदर्शित किए गए। आधुनिक तकनीक आधारित इस शिक्षण पद्धति ने जटिल विषयों को सरल और सहज ढंग से समझने में मदद की, जिससे छात्राओं की विषय के प्रति समझ और अधिगम क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।शैक्षणिक भ्रमण के अंतिम चरण में छात्राओं ने जिला कार्यालय का भ्रमण कर प्रशासनिक व्यवस्था को निकट से जाना। इस दौरान उन्हें विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक पद संरचना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। विज्ञान, तकनीक और प्रशासन से जुड़े इस शैक्षणिक भ्रमण ने छात्राओं के ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यावहारिक समझ को समृद्ध करते हुए उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिड़मा को रोल मॉडल बताना शहीदों और आदिवासियों का अपमान, कांग्रेस ने नक्सलवाद पर उजागर किया अपना असली चेहरा : रामू नेताम

दंतेवाड़ा। कोटा से कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव द्वारा माओवादी कमांडर हिड़मा को अपना ÷रोल मॉडल÷ बताए जाने के बयान पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं छत्तीसगढ़ के मीडिया पैनेलिस्ट रामू नेताम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस बयान को बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में शहीद हुए सुरक्षाबलों, निर्दोष आदिवासियों और उनके परिजनों का घोर अपमान बताया है। रामू नेताम ने कहा कि हिड़मा बस्तर के इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसने वर्षों तक हिंसा और आतंक का वातावरण बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिड़मा ने अनेक निर्दोष आदिवासियों को पुलिस का मुखबिर बताकर उनकी हत्या कराई। इतना ही नहीं, स्कूली बच्चों तक को मुखबिरी के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया। ऐसे व्यक्ति को आदर्श बताना किसी भी लोकतांत्रिक और संवेदनशील समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक का यह कहना कि हिड़मा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा की, पूरी तरह भ्रामक और तथ्यों से परे है। नेताम ने तंज कसते हुए कहा कि यदि कांग्रेस के तर्क को सही माना जाए तो जहां-जहां हिड़मा नहीं था, वहां के जंगल समाप्त हो जाने चाहिए थे। ऐसा कुतर्क केवल कांग्रेस ही कर सकती है।रामू नेताम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की राजनीति में कांग्रेस के नेता इस हद तक पहुंच चुके हैं कि वे देश और समाज के दुश्मनों का महिमामंडन करने लगे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कांग्रेस नक्सलियों को आदर्श मानती है, तो क्या वह झीरम घाटी जैसी घटनाओं से कोई सबक नहीं लेना चाहती? उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों से कांग्रेस की नीयत और सोच दोनों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। नेताम ने दावा किया कि माओवादी हिड़मा 26 से अधिक बड़े सशस्त्र नक्सली हमलों में शामिल रहा, जिनमें 150 से अधिक सुरक्षाबलों और आम नागरिकों की जान गई। उन्होंने कहा कि जिस पूर्वती गांव का हिड़मा निवासी था, वहां और आसपास के क्षेत्रों में आज जाकर सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंची हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद ने विकास को वर्षों तक बाधित किया।रामू नेताम ने आरोप लगाया कि यदि कांग्रेस ऐसे दुर्दांत माओवादी को अपना रोल मॉडल मानती है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि पार्टी विकास विरोधी मानसिकता रखती है।

संक्षिप्त समाचार

पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक खेल शिक्षक भर्ती, आवेदन 24 जुलाई तक

बिलासपुर। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिले के पांच पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक योग, खेल शिक्षक, प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए 24 जुलाई 2026 तक आवेदन मंगाये गये है। यह भर्ती 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए होगी एवं उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय प्रदान किया जाएगा। आवेदन जिले के पीएमश्री विद्यालय प्रा.शा. केशला, प्रा.शा. कुकुर्दीकला, प्रा.शा. सम्बलपुरी, प्रा.शा. पोड़ी तथा पीएमश्री सेजेस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीकेपी कोटा के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी केवल एक ही विद्यालय के लिए आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 24 जुलाई 2026 तक अपना आवेदन जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, द्वितीय तल, जिला पंचायत भवन, बिलासपुर में डाक, स्पीड पोस्ट अथवा कोरियर के माध्यम से भेज सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा आवेदन सीधे जमा नहीं लिए जाएंगे। इस पद के लिए अभ्यर्थी का शारीरिक शिक्षा अथवा योग शिक्षा में स्नातक होना अनिवार्य है। यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विद्यालयों के लिए आवेदन किया जाता है, तो अंतिम प्राप्त आवेदन पर ही विचार किया जाएगा। आवश्यक योग्यता, नियम एवं शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप 222.ड्डद्बद्यड्डह्यश्चह्वह्म्.द्दश्ल.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है।

करगी कला में राजमिस्त्री प्रशिक्षण का उच्चस्तरीय निरीक्षण अधिकारियों ने सराही प्रशिक्षण की गुणवत्ता

बिलासपुर। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बिलासपुर एवं कोटा मनरेगा द्वारा ग्राम करगी कला में संचालित राजमिस्त्री प्रशिक्षण का निरीक्षण ग्रामीण विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री पवनेश शर्मा, यूएसजीसी भारत सरकार श्री राहुल कुमार श्रीवास्तव, वीबी जीरामजी राज्य कार्यालय के सहायक अभियंता श्री सोमकांत साहू एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने किया। इस दौरान जिला परियोजना अधिकारी मनरेगा श्रीमती अनुराधा मिश्रा एवं परियोजना अधिकारी श्री विकास जायसवाल ने भी प्रशिक्षण का अवलोकन किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और उनका उत्साहवर्धन किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आरसेटी बिलासपुर के स्टाफ ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। आरसेटी बिलासपुर ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

डीजल चोरी के आरोपियों को छोड़ना एएसआई को पड़ा भारी, बिलासपुर एसएसपी ने किया निलंबित

बिलासपुर। डीजल चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कथित तौर पर छोड़ने के मामले में बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) उमेश उपाध्याय को निलंबित कर दिया है। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसएसपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, कोनी थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक और ट्रेलर जैसे भारी वाहनों से डीजल चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह के पांच आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार किया था। आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद थाने से पांच में से तीन आरोपी बैसाखू, राजेश और राजू को छोड़ दिया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। इसके बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने पूरे मामले की समीक्षा कर प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर एएसआई उमेश उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

चकरभाठा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 पाव अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बिलासपुर। अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चकरभाठा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 50 पाव देशी प्लेन शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध शराब और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित करीब 24 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति एयरपोर्ट तिराहा, चकरभाठा के पास मोटरसाइकिल में झोले में बड़ी मात्रा में देशी प्लेन शराब रखकर बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना स्तर पर टीम गठित कर बताए गए स्थान पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने मौके से रामानंद राजपूत (38 वर्ष) निवासी ग्राम उमरिया, थाना बिल्हा, जिला बिलासपुर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके मोटरसाइकिल में रखे झोले से 50 नग देशी प्लेन शराब पाव (प्रत्येक 180 मिलीलीटर), कुल 9 लीटर शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी शराब रखने अथवा बिक्री करने संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने अवैध शराब एवं मोटरसाइकिल को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया। चकरभाठा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब, जुआ, सट्टा या अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना या डायल-112 पर दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

केंद्रीय टीम ने वीबी-जीरामजी एवं 'प्रोजेक्ट उन्नति' की प्रगति का लिया जायजा

डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए विकास कार्यों की गुणवत्ता जांची

बिलासपुर। भारत सरकार के संयुक्त सचिव (वित्त) श्री पवनेश कुमार शर्मा एवं अवर सचिव श्री राहुल कुमार श्रीवास्तव ने जिले के जनपद पंचायत बिल्हा एवं कोटा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने वीबी-जीरामजी योजना, प्रोजेक्ट उन्नति तथा अन्य डिजिटल पहलों के अंतर्गत प्रगतिरत विकास कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल सहित प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय अधिकारियों ने कार्यस्थलों पर लगाए गए सूचना बोर्ड के क्यूआर कोड को स्वयं स्कैन कर डिजिटल अभिलेखों एवं वास्तविक प्रगति का मिलान किया। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं तकनीकी निगरानी की व्यवस्था का आकलन किया गया। केंद्रीय टीम ने भारतीय स्टेट बैंक स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित 'प्रोजेक्ट उन्नति' के अंतर्गत ग्रामीण युवाओं के लिए आयोजित राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हितग्राहियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा कौशल

विकास से रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की पहल की सराहना की। निरीक्षण के दौरान कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पटेता में सामुदायिक जल संवर्धन तालाब निर्माण (नवा तरिया कोरियापारा) तथा नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य, धनरास में सामुदायिक जल संवर्धन तालाब जीर्णोद्धार तथा करगीकला में मिनी परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इन कार्यों के माध्यम से बड़ी संख्या में मानव दिवस सृजित हुए हैं तथा ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण एवं आधारभूत संरचना को मजबूती मिल रही है। केंद्रीय अधिकारियों ने कार्यस्थल पर कार्यरत महिला श्रमिकों से संवाद कर वीबी-जीरामजी योजना के लाभों की जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार तथा प्रतिदिन 300 रुपये की बढ़ी हुई मजदूरी दर का लाभ प्रदान किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से केंद्रीय अधिकारियों एवं जिला पंचायत के अधिकारियों ने कार्यस्थल पर पौधरोपण भी किया। निरीक्षण के उपरांत केंद्रीय टीम ने जिले में विकास कार्यों के क्रियान्वयन, डिजिटल निगरानी व्यवस्था, पारदर्शिता एवं कौशल विकास संबंधी प्रयासों की सराहना करते हुए इन पहलों को ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान सहायक परियोजना अधिकारी वीबी-जीरामजी श्रीमती अनुराधा शुक्ला, जनपद पंचायत सीईओ श्री युवराज सिन्हा, कार्यक्रम अधिकारी वीबी-जीरामजी श्री विकास कुमार जायसवाल भी मौजूद रहे।

बीमारी के बीच सेवा सेतु बना सहारा ऑटो तक पहुंचकर सौंपा राशन कार्ड

बिलासपुर। गंभीर बीमारी से जूझ रहे वार्ड क्रमांक 16 विष्णु नगर निवासी श्री अनंत सिंह चंदेल के लिए सेवा सेतु के माध्यम से समय पर बना राशन कार्ड किसी बड़ी राहत से कम नहीं रहा। प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का ऐसा मानवीय उदाहरण देखने को मिला, जब नगर निगम के जोन क्रमांक-03 के कर्मचारियों ने कार्यालय के बाहर ऑटो तक पहुंचकर उन्हें राशन कार्ड सौंपा। श्री अनंत सिंह चंदेल पिछले कुछ समय से अस्वस्थ हैं। उपचार के दौरान उन्हें कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इसी बीच उन्होंने सामान्य राशन कार्ड बनवाने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन किया था। अस्पताल से लौटने के बाद उन्हें जानकारी मिली कि उनका राशन कार्ड बहुत कम समय में तैयार हो चुका है।

कमजोरी और बीमारी के कारण वे स्वयं चलने-फिरने में असमर्थ थे। किसी तरह ऑटो से जोन कार्यालय पहुंचे, लेकिन वाहन से उतरना भी उनके लिए संभव नहीं था। यह जानकारी मिलते ही राशन कार्ड प्रभारी स्वयं कार्यालय से बाहर आए और औपचारिकताओं को सरल बनाते हुए ऑटो में बैठे श्री चंदेल को वहीं राशन कार्ड उपलब्ध कराया। राशन कार्ड प्राप्त करते समय भावुक श्री अनंत सिंह चंदेल ने कहा, मेरी तबीयत काफी खराब है और मैं कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा। मुझे लगा था कि राशन कार्ड बनने में समय लगेगा, लेकिन सेवा सेतु के माध्यम से यह बहुत जल्दी बन गया। आज मैं कार्यालय के अंदर भी नहीं जा पा रहा था, फिर भी अधिकारियों ने बाहर आकर मुझे राशन कार्ड दे दिया। अब मेरा आयुष्मान कार्ड बन सकेगा, जिससे इलाज में सहायता मिलेगी और परिवार को राशन भी मिलने लगेगा। यह मेरे लिए बहुत बड़ी राहत है। मैं जिला प्रशासन और नगर निगम का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह घटना दर्शाती है कि जब शासन की योजनाएं संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं।

स्काउट-गाइड बेसिक कमिश्नर कोर्स में जिले के 02 प्रतिभागी हुए शामिल

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव तथा राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा के निर्देशन में बेसिक कमिश्नर कोर्स का आयोजन 10 से 14 जुलाई 2026 तक कुर्सियांग, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण स्काउटिंग एवं गाइडिंग से जुड़े जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत कमिश्नरों एवं एडल्ट लीडर्स के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों में प्रभावी नेतृत्व, प्रबंधन कौशल, संगठन संचालन तथा स्काउटिंग के सिद्धांतों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने की दक्षता का विकास करना था। साथ ही, वारंट प्राप्त कमिश्नरों के लिए बेसिक

कमिश्नर कोर्स अनिवार्य प्रशिक्षण है। प्रशिक्षण में शिविर के संचालक श्री अशोक देशमुख, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट डॉ.पूनम सिंह साहू, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती सरिता पाण्डेय सहित कुल 43 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। बिलासपुर जिले से दो प्रतिभागियों का चयन हुआ, जिनमें सहायक जिला आयुक्त (गाइड) श्रीमती आरती राय एवं जिला मुख्यालय आयुक्त स्काउट डॉ. नवनीत कौशिक शामिल रहे। प्रशिक्षण में सहभागिता हेतु चयनित दोनों प्रतिभागियों को बिलासपुर जिले के समस्त स्काउटर-गाइडर एवं पदाधिकारियों ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल प्रशिक्षण की कामना व्यक्त की।

रेलवे सैलरी पैकेज के तहत रेलवे कर्मचारियों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के बीच कर्मचारियों को रेलवे सैलरी पैकेज के फ़ायदे देने के लिए हुए समझौतेके तहत, रेलवे कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा कवर और 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म इंश्योरेंस कवर एवं अन्य फ़ायदे दिए जाते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल, बिलासपुर की पूर्व नर्सिंग सुपरिटेंडेंट, स्वर्गीय अमिता पैकरा के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण, उनके परिवार को कुल ?1.1 करोड़ की राशि दी गई। इसमें दुर्घटना से हुई मौत के मामले में

?1 करोड़ और ग्रुप टर्म इंश्योरेंस कवर के तहत ?10 लाख की राशि शामिल थी । 15.07.2026 को बिलासपुर के महाप्रबंधक कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इससे पीड़ित परिवार को संबोधित चेक श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के द्वारा सौंपा गया । इस अवसर पर, डॉक्टर दर्शनिता अहलूवालिया (प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी), श्रीमती निकिता अग्रवाल (उप मुख्य कार्मिक अधिकारी-कल्याण) और भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी—श्री विभंशु वी. जैन (असिस्टेंट जनरल मैनेजर), श्रीमती ज्योत्सना सिंह (चीफमैनेजर), सुश्री टीना जोशी (चीफ मैनेजर) और श्री अंकुश गुप्ता (डिप्टी मैनेजर,) मौजूद रहें । यह पहल रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

भंवरपुर नकल कांड पर हाईकोर्ट सख्त, छात्रा के स्टिंग ऑपरेशन को बनाया जनहित याचिका का आधार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महासमुंद जिले के भंवरपुर स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में 12वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान सामने आए नकल कांड और छात्रा द्वारा किए गए स्टिंग ऑपरेशन को गंभीरता से लिया है। मीडिया में प्रकाशित खबरों और मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका (क्क्रुरु) के रूप में सुनवाई के लिए स्वीकार किया है। अदालत ने छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर पूरे मामले में शपथपत्र के साथ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी पूछा है कि मीडिया में जिन शिक्षकों के नकल कराने में संलिप्त होने की बात सामने आई है, उनके खिलाफ अब तक क्या दंडात्मक कार्रवाई की गई है। सुनवाई के दौरान शिक्षा विभाग की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की विभागीय जांच जारी है और तीन महीने के भीतर जांच पूरी कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में निर्धारित की गई है।

छात्रा ने स्टिंग कर उजागर किया था नकल का खेल

यह मामला महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के रोहिणी गांव की छात्रा नीता जगत से जुड़ा है। सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा नीता का परीक्षा केंद्र स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, भंवरपुर में बनाया गया था। परीक्षा के दौरान छात्रा ने देखा कि परीक्षा केंद्र में शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों को उत्तर लिखवा रहे थे और मोबाइल फोन का खुलेआम उपयोग किया जा रहा था। इस पूरे घटनाक्रम का उसने गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्ड कर स्टिंग ऑपरेशन किया। छात्रा का कहना था कि यदि इस तरह नकल कराई जाएगी, तो ईमानदारी से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय होगा।

विरोध करने पर प्रताड़ना का आरोप

छात्रा का आरोप है कि नकल का विरोध करने और सबूत जुटाने के बाद उसे सुरक्षा देने के बजाय केंद्र अधीक्षक और स्कूल के प्राचार्य ने फटकार लगाई। इतना ही नहीं, उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंग्रेजी की परीक्षा के दौरान उसकी डेस्क पर पहले से उत्तर लिखकर उसे झूठे मामले में फंसाने की कोशिश भी की गई। लगातार मानसिक दबाव के कारण छात्रा की तबीयत बिगड़ गई, लेकिन उसने हार नहीं मानी। जिला स्तर पर सुनवाई नहीं होने पर वह स्वयं रायपुर स्थित माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय पहुंची और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। अब हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित होने वाली पहली कोल पीएसयू सीएसआर योजना बनी 'एसईसीएल के सुश्रुत.............

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल 'एसईसीएल के सुश्रुत' ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के साथ यह भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित होने वाली किसी भी कोल पीएसयू की पहली सीएसआर योजना बन गई है। कोयला मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब 'एसईसीएल के सुश्रुत' योजना के लाभार्थियों के लिए आधार प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। यह व्यवस्था आधार (वित्तीय एवं अन्य सब्सिडी, लाभ एवं सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 तथा आधार प्रमाणीकरण (सुशासन, सामाजिक कल्याण, नवाचार एवं ज्ञान) नियम, 2020 के अंतर्गत लागू की गई है। इससे योजना के लाभों का पारदर्शी, लक्षित एवं प्रौद्योगिकी आधारित वितरण सुनिश्चित होगा। साथ ही, जो लाभार्थी आधार प्रमाणीकरण का उपयोग नहीं करना चाहते, उनके लिए सरकार द्वारा अनुमोदित वैकल्पिक पहचान पत्रों के माध्यम से भी लाभ प्राप्त करने की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई 'एसईसीएल के सुश्रुत' एसईसीएल की प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसके अंतर्गत कंपनी के परिचालन क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को नीट परीक्षा की नि:शुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान की जाती है, ताकि वे चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें। योजना ने आरंभ से ही उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। प्रथम बैच (2023-24) में 40 में से 39 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें 11 विद्यार्थियों ने एमबीबीएस, 2-2 विद्यार्थियों ने बीडीएस, बीएएमएस एवं बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी तथा 2 विद्यार्थियों ने वेटरनरी पाठ्यक्रमों में सरकारी संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया। द्वितीय बैच (2024-25) में भी 40 में से 31 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की तथा एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस एवं बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में सरकारी संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि 'एसईसीएल के सुश्रुत' इससे पूर्व भारत सरकार के डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर पोर्टल पर सूचीबद्ध होने वाली किसी भी कोल पीएसयू की पहली एवं एकमात्र सीएसआर योजना है। भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचना के साथ इस योजना को अब और अधिक सुदृढ़ संस्थागत आधार प्राप्त हुआ है, जिससे लाभार्थियों तक पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवा वितरण सुनिश्चित करने की दिशा में इसे नई मजबूती मिलेगी।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का धार्मिक महत्व

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा देश के सबसे बड़े और प्रसिद्ध धार्मिक उत्सवों में गिनी जाती है। हर साल ओडिशा के पुरी में निकलने वाली इस यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। मान्यता है कि इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। रथयात्रा केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि लगभग 9 दिनों तक चलने वाला भव्य धार्मिक महोत्सव है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न होते हैं, जिनका अपना अलग आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व माना जाता है। वर्ष 2026 में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू होगी। आइए जानते हैं इस महाउत्सव का पूरा कार्यक्रम और हर प्रमुख रस्म का महत्व।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू

इस दिन भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा अपने-अपने भव्य रथों पर विराजमान होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर के लिए प्रस्थान करते हैं। यात्रा शुरू होने से पहले गजपति महाराज द्वारा छेरा पहरा की परंपरा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से रथों की प्रतीकात्मक सफाई करते हैं। यह परंपरा बताती है कि भगवान के सामने सभी समान हैं।

17 से 20 जुलाई — गुंडिचा मंदिर प्रवास

रथयात्रा के बाद भगवान गुंडिचा मंदिर में विराजमान रहते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह भगवान की मौसी का घर माना जाता है। इन दिनों श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर में भगवान के दर्शन कर विशेष पुण्य प्राप्त करने की कामना करते हैं।

21 जुलाई — हेरा पंचमी

रथयात्रा के दौरान सबसे रोचक अनुष्ठानों में से एक हेरा पंचमी है। मान्यता है कि जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर में ठहरते हैं, तब माता लक्ष्मी श्रीमंदिर से उन्हें वापस बुलाने आती हैं। यह परंपरा भगवान और माता लक्ष्मी के बीच प्रेम और स्नेह का प्रतीक मानी जाती है।

24 जुलाई — बहुदा यात्रा

बहुदा यात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा पुनः अपने रथों पर सवार होकर श्रीमंदिर लौटते हैं। वापसी यात्रा को भी उतना ही पवित्र माना जाता है जितनी मुख्य रथयात्रा। रास्ते में भगवान का रथ मौसी मां मंदिर पर भी रुकता है, जहां उन्हें पारंपरिक 'पोडा पीठा' का भोग अर्पित किया जाता है।

25 जुलाई — सुना वेष

बहुदा यात्रा के अगले दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया जाता है। इस अलौकिक श्रृंगार को सुना बेष कहा जाता है। इस दिन लाखों श्रद्धालु भगवान के स्वर्ण स्वरूप के दर्शन करने के लिए पुरी पहुंचते हैं।

26 जुलाई — अधर पाना

इस दिन भगवान को विशाल पात्रों में विशेष पेय अर्पित किया जाता है, जिसे अधर पाना कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यह भोग उन दिव्य शक्तियों को समर्पित होता है, जो पूरे उत्सव के दौरान रथों की रक्षा करती हैं।

27 जुलाई — नीलाद्रि बीजे

यह रथयात्रा महोत्सव का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है। इस दिन भगवान जगन्नाथ पुनः श्रीमंदिर में प्रवेश करते हैं। परंपरा के अनुसार माता लक्ष्मी भगवान से नाराज होती हैं और उन्हें मंदिर में प्रवेश देने से पहले भगवान द्वारा रसगुल्ला अर्पित किया जाता है। इसी रस्म के साथ 9 दिवसीय महाउत्सव का समापन होता है।

तीनों रथों का क्या है महत्व?

रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा तीन अलग-अलग रथों पर विराजमान होते हैं। भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष, भगवान बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन कहलाता है। हर वर्ष इन रथों का निर्माण नई लकड़ी से किया जाता है। इनकी बनावट, रंग, ध्वज और पहियों की संख्या भी अलग-अलग होती है, जो प्राचीन परंपराओं के अनुसार तय की जाती है।

रथ खींचने का क्या है धार्मिक महत्व?

हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान के रथ को खींचना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि रथ की रस्सी को स्पर्श करने या रथ खींचने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की अनेक बाधाएं दूर होती है। यही कारण है कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचकर इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बनने की इच्छा रखते हैं।

क्यों खास है जगन्नाथ रथयात्रा?

जगन्नाथ रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, समानता और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम है। गजपति महाराज द्वारा छेरा पहरा की रस्म यह संदेश देती है कि भगवान के दरबार में राजा और सामान्य व्यक्ति के बीच कोई भेद नहीं है। वहीं भगवान का मंदिर से बाहर निकलकर भक्तों के बीच आना इस बात का प्रतीक माना जाता है कि ईश्वर स्वयं अपने भक्तों तक पहुंचते हैं।

हर वर्ष की तरह 2026 में भी यह 9 दिवसीय महाउत्सव श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। यदि आप भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से जुड़े हर प्रमुख अनुष्ठान और उसकी आध्यात्मिक परंपराओं को करीब से जानना चाहते हैं, तो यह उत्सव भारतीय संस्कृति और सनातन आस्था की अद्भुत झलक प्रस्तुत करता है।

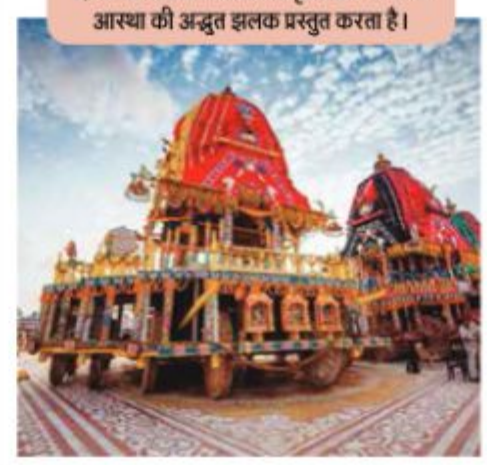

हिंदू धर्म में संक्रांति तिथि का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में संक्रांति तिथि का विशेष महत्व है। इस वर्ष कर्क संक्रांति 16 जुलाई, 2026, गुरुवार को मनाई जाएगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दिन सूर्य मिथुन राशि छोड़कर कर्क राशि में प्रवेश करेगा। राशि परिवर्तन के साथ ही दक्षिणायन का प्रारंभ होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कर्क संक्रांति के शुभ समय में पवित्र नदियों में स्नान करना, दान करना और सूर्य की पूजा करना जीवन के सभी कष्टों को दूर करता है और शाश्वत पुण्य प्रदान करता है।

शुभ समय और शुभ समय

2026 में कर्क संक्रांति के अवसर पर पूजा-अर्चना और दान-पुण्य के लिए कई घंटे का समय उपलब्ध है। इस दिन के मुख्य शुभ मुहूर्त निम्नलिखित हैं:

कर्क संक्रांति तिथि: गुरुवार, 16 जुलाई, 2026

सूर्य का कर्क राशि में प्रवेश (संक्रांति का क्षण): 16 जुलाई, रात 11:45 बजे

कर्क संक्रांति पुण्य काल: दोपहर 12:27 बजे से शाम 07:21 बजे तक

कुल अवधि: 6 घंटे 53 मिनट

कर्क संक्रांति महापुण्य काल: शाम 05:03 बजे से शाम 07:21 बजे तक

कुल अवधि: 2 घंटे 18 मिनट

शास्त्रों के अनुसार, संक्रांति के शुभ समय में दान और जप करना कई गुना अधिक फलदायी होता है। इसलिए, इस समय पर विशेष ध्यान दें।

दक्षिणायन का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

कर्क संक्रांति ज्योतिषीय और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से एक अत्यंत महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है। मकर संक्रांति के साथ सूर्य उत्तरायण (उत्तर दिशा) में प्रवेश करता है, जिसे देवताओं का दिन माना जाता है। कर्क संक्रांति के साथ सूर्य दक्षिणायन (दक्षिण दिशा) में प्रवेश करता है, जिसे देवताओं की रात्रि माना जाता है।

1. वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य:

कर्क संक्रांति मानसून (वर्षा ऋतु) के चरम का प्रतीक है। सूर्य का दक्षिणी गोलार्ध की ओर झुकाव उत्तरी गोलार्ध में छोटे दिन और लंबी रातों का कारण बनता है।

2. चतुर्मास और आध्यात्मिक काल:

यह देवताओं का रात्रिकाल है, इसलिए दक्षिणायन के पहले चार महीनों को चतुर्मास कहा जाता है। इस दौरान भगवान विष्णु योगिक निद्रा में चले जाते हैं। यही कारण है कि इन छह महीनों में भौतिक सुखों या शुभ आयोजनों (जैसे विवाह, गृहप्रवेश आदि) की बजाय आध्यात्मिक साधना, ध्यान, उपवास और ईश्वर की पूजा को सर्वोत्तम माना जाता है।

3. पूर्वजों का समय:

धार्मिक मान्यताओं में, दक्षिणायन को पूर्वजों का समय भी माना जाता है। कर्क संक्रांति के दिन पूर्वजों के लिए तर्पण और श्राद्ध करने से उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है और परिवार अपने पूर्वजों के पापों से मुक्त हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें और बेहतरीन अवसर लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी या ऊंचा पद मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करनी होगी। किसी विरोधी की बातों में आकर जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। छोटी-छोटी योजनाओं से भी अच्छा आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं।

वृषभ राशि - आज आगे बढ़ने की चाह और कुछ नया करने का उत्साह आपके भीतर साफ दिखाई देगा। आपकी मधुर वाणी और विनम्र स्वभाव लोगों को प्रभावित करेगा, जिससे सम्मान और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी मौजूदगी खास पहचान दिला सकती है। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक मामले में हल्की परेशानी आ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन राशि - आज हर कदम सोच-समझकर उठाना ही आपके लिए सबसे बड़ी समझदारी होगी। कारोबार में किसी बड़े जोखिम से दूर रहें और अपने कामों में पूरी स्पष्टता बनाए रखें। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की संभावना है। यदि किसी काम को लेकर परेशानी चल रही थी, तो उसका समाधान भी धीरे-धीरे सामने आता नजर आएगा। माता-पिता की सेवा और उनका आशीर्वाद आपको मानसिक शांति के साथ सफलता भी दिलाएगा।

कर्क राशि - आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में टीम के साथ मिलकर काम करने से शानदार परिणाम मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में प्रेम और तालमेल बना रहेगा। छोटे बच्चों के लिए कोई प्यारा-सा उपहार खरीद सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की संभावना भी बन रही है। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है।

सिंह राशि - नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से काम में उत्साह बना रहेगा और आपकी मेहनत आपको नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। कुछ नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित होगी। अपने कामों में पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखें। विरोधियों की बातों में आकर कोई निर्णय न लें।

कन्या राशि - आज का दिन सफलता, संतोष और खुशियों से भरा रहेगा। प्रेम, अपनापन और सहयोग की भावना रिश्तों को और मजबूत बनाएगी। कोई पुराना लेन-देन पूरा करना पड़ सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए बजट बनाकर चलना समझदारी होगी। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से दिन बेहद यादगार बन सकता है।

तुला राशि-करियर के लिहाज से आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी और मन भी हल्का महसूस करेगा। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का माहौल रहेगा। अपने कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, इससे सफलता जल्दी मिलेगी। परिवार में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे, तो बातचीत के जरिए उन्हें आसानी से दूर किया जा सकता है।

वृश्चिक राशि - आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा और खुशियों से भरपूर रहेगा। आप सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे और इसमें सफल भी होंगे। हालांकि किसी की सलाह पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें। कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं।

धनु राशि- आज सफलता आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के साथ पद और प्रतिष्ठा में भी बढ़ोतरी के संकेत हैं। वेतन वृद्धि या इंक्रीमेंट की खुशखबरी भी मिल सकती है। हालांकि किसी मित्र की वजह से काम में थोड़ी रुकावट आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। नए कार्य की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए लाभदायक रहेगी। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री हो सकती है।

मकर राशि - आज आपके भीतर रचनात्मकता और सकारात्मक ऊर्जा भरपूर रहेगी। आत्मविश्वास के दम पर आप हर काम पूरे उत्साह से करेंगे। जरूरतमंद लोगों की मदद करने का अवसर मिलेगा, जिससे आत्मसंतोष भी मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने के संकेत हैं।

कुंभ राशि- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। साथ ही अपने आसपास मौजूद विरोधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखें। किसी अजनबी के कहने पर निवेश करने से बचें। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने से मन खुश होगा। लंबे समय से रुका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपके कई अधूरे कार्यों को पूरा कराने में मददगार साबित होगा।

मीन राशि- आज का दिन बड़ी उपलब्धियों और नई सफलताओं का संदेश लेकर आया है। पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के साथ करियर में नए अवसर भी मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें और सुनी-सुनाई बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी अड़चन दूर हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और सामंजस्य बना रहेगा।

बारिश के पानी से बालों को नुकसान

असल में बारिश के पानी को लेकर कई तरह के मिथक प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे पूरी तरह नुकसानदायक मानते हैं, जबकि कुछ का कहना है कि प्राकृतिक वर्षा का पानी बालों के लिए अच्छा होता है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं है। बालों पर असर केवल बारिश के पानी से नहीं, बल्कि हवा में मौजूद प्रदूषण, आपके स्कैल्प की स्थिति, बालों की देखभाल की आदतों और बारिश के बाद अपनाए गए हेयर केयर रूटीन पर भी निर्भर करता है।

बारिश में भीगने के बाद बालों की देखभाल कैसे करें?

घर पहुंचते ही बालों को साफ पानी से धो लें। तौलिए से धीरे-धीरे थपथपाकर सुखाएं, जोर से रगड़ें नहीं। हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करें तो कम तापमान रखें। गीले बालों में जोर से कंघी करने से बचें। स्कैल्प को लंबे समय तक गीला न रहने दें। सप्ताह में जरूरत के अनुसार डीप कंडीशनिंग करें।

मानसून में बालों को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

संतुलित आहार लें। पर्याप्त पानी पिएं। स्कैल्प की नियमित सफाई करें। अपना कंघा और तौलिया साझा न करें। जरूरत से ज्यादा हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल न करें। हेलमेट या कैप पहनने के बाद बालों को हवा लगने दें।

बारिश का पानी बालों को खराब कर देता है? केवल बारिश का पानी बाल झड़ने या खराब होने का सीधा कारण नहीं माना जाता। हालांकि, प्रदूषित वातावरण में शुरुआती बारिश के पानी में धूल, प्रदूषक और अन्य कण जमा हो सकते हैं, जो स्कैल्प और बालों को प्रभावित कर सकते हैं। यदि बारिश में भीगने के बाद बाल लंबे समय तक गीले रहें या उनकी सही देखभाल न की जाए, तो स्कैल्प में खुजली, रूसपना या फंगल संक्रमण जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए बारिश के बाद बालों को साफ करना और अच्छी तरह सुखाना बेहतर माना जाता है।

मसाला स्टोरेज टिप्स

खाने का टेस्ट बढ़ाने में मसालों का इस्तेमाल ही सबसे जरूरी होता है। हल्दी, लाल मिर्च, धनिया, जीरा और गरम मसाला जैसे मसाले लगभग हर भारतीय रसोई का हिस्सा हैं। लेकिन कई बार लोग एक बार खरीदे गए मसालों को महीनों या सालों तक यूज करते रहते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पुराने मसाले सुरक्षित हैं या उन्हें बदल देना चाहिए।अगर मसालों का रंग बदल गया है, खुशबू पहले जैसी नहीं रही या उनका टेस्ट फीका पड़ गया है, तो इन्हें इस्तेमाल करने से पहले कुछ बातों की जांच करना जरूरी है। ऐसे में आइए जानते हैं कि मसाले कब खराब माने जाते हैं और कैसे पहचानें इन्हें इस्तेमाल करना सुरक्षित है या नहीं।

मसाले कब खराब माने जाते हैं?

मसाले दूध, दही या सब्जियों की तरह जल्दी खराब नहीं होते, लेकिन समय के साथ उनकी क्वालिटी जरूर कम होने लगती है। लंबे समय तक रखने पर ऑक्सीजन के संपर्क में आने से मसालों का टेस्ट और खुशबू धीरे-धीरे खत्म होने लगती है। इसे ऑक्सीकरण कहा जाता है। ऐसे मसाले खाने में पहले जैसा टेस्ट नहीं दे पाते है।

कैसे पहचानें इन्हें इस्तेमाल करना सुरक्षित है या नहीं?

मसाले खराब होने का सबसे आसान तरीका उसकी खुशबू, रंग और बनावट से पता लगाया जा सकता है। अगर मसाले की खुशबू पहले जैसी तेज नहीं रही हो तो इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं माना जाता है। इसके अलावा रंग फीका, मटमैला या बदला हुआ दिखाई दे या मसाला चिपचिपा महसूस हो तो भी इन्हें इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं होता है। साथ ही उसमें अजीब गंध आने लगे और छोटे कीड़े या सफेद परत दिखाई दे, जो फंगस का संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में उस मसाले का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

क्या पुराने मसाले खाने से बीमारी हो सकती है?

अगर मसाला सूखा है और उसमें नमी, फफूंदी या कीड़े नहीं हैं, तो एक्सपायरी डेट निकलने के बाद भी वह जरूरी नहीं कि आपको बीमार कर दे। हालांकि उसका टेस्ट और खुशबू काफी कम हो सकती है, लेकिन अगर मसाले में नमी आ गई हो, फंगस लग गई हो, कीड़े दिखाई दे या बदबू आने लगे, तो ऐसे मसाले खाने से पेट दर्द, गैस, एलर्जी और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। बारिश और गर्मी के मौसम में ऐसे मसाले जल्दी खराब हो सकते हैं।

पिसे हुए मसाले आमतौर पर करीब 3 से 6 महीने तक सबसे अच्छा टेस्ट देते हैं,वहीं सामान्य तौर पर इन्हें 6 महीने से 1 साल के भीतर इस्तेमाल करना बेहतर माना जाता है। साबुत मसाले पिसे मसालों की तुलना में ज्यादा समय तक टिकते हैं, लेकिन उन्हें भी लंबे समय तक रखने से टेस्ट कम होने लगता है।

मसालों को लंबे समय तक सुरक्षित कैसे रखें?

1. मसालों की क्वालिटी बनाए रखने के लिए इन्हें सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है।
2. मसालों को हमेशा एयरटाइट डिब्बे या कांच के जार में रखें।
3. गीला चम्मच कभी भी मसाले के डिब्बे में न डालें।
4. मसालों को गैस चूल्हे की गर्मी और सीधी धूप से दूर रखें।
5. ठंडी और सूखी जगह पर स्टोर करें।

बेहतर टेस्ट के लिए साबुत मसाले खरीदें और जरूरत के अनुसार घर पर पीसें।

पोषण बनाए रखने के लिए अपनाएं ये कुकिंग ट्रिक्स

चाहे अनाज हो या फिर फल, सब्जियां इन्हें ज्यादा से ज्यादा साबुत रूप में खाने की सलाह एक्सपर्ट द्वारा दी जाती है। इसके साथ ही हम अनाज या सब्जियों को किन तरीकों से पका रहे हैं वो भी मायने रखता है। ज्यादा फायदा लेने के लिए हर बार सब्जियों को कच्चा खाने की जरूरत नहीं, बल्कि सही कुकिंग मैथड अपनाने की जरूरत है।

कुकिंग के ये तरीके ऐसे बदल देते हैं सब्जियों का गुण

उबलानाः ज्यादा उबालने से सब्जियों के पौष्टिक गुण पानी में आ जाते हैं। उबालने से सब्जियों की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता कम होने के साथ-साथ पोटेशियम, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर और मैगनीज भी कम हो जाता है।

स्टीम करनाः इसमें सब्जियां भाप में पकती हैं जिससे वो मुलायम हो जाती हैं। कुकिंग का यह तरीका प्रभावी भी है और सब्जियों की पौष्टिकता को बरकरार भी रखता है। इसमें कम पानी का इस्तेमाल होता है, इसलिए थोड़े बहुत पौष्टिक गुण ही नष्ट होते हैं।

सॉते और स्टर फ्राईः सॉते करने का काम जहां कम आंच पर होता है वहीं स्टर फ्राई का तेज आंच पर। ये दोनों ही तरीके कुकिंग के लिए अच्छे हैं, लेकिन ऑयल की मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है।

ग्रिलिंगः इसमें भी तेज आंच पर कुकिंग होती है और बाकी ऑप्शन के मुकाबले इसमें सब्जियों के पौष्टिक गुणों को कम नुकसान पहुंचता है।

बेकिंग और रोस्टिंगः कुकिंग के इन दोनों ही तरीकों को सही माना गया है, क्योंकि इसमें ड्राई हीट का इस्तेमाल होता है और पानी ना के बराबर डाला जाता है। ऐसे पकाने से सब्जियों में मिठास आ जाती है, जिससे सब्जी का स्वाद भी बढ़ जाता है।

प्रेशर कुकिंग और स्लो कुकिंगः इन दोनों ही तरीकों में छोटे बरतनों का इस्तेमाल होता है, लेकिन दोनों का प्रभाव अलग है। चूंकि, प्रेशर कुकिंग में पकाने का समय कम होता है, जिससे विटामिन सी और पॉलीफेनॉल जैसे पोषक तत्व बने रहते हैं। वहीं स्लो कुकिंग में लंबे समय तक सब्जियां आंच पर पकती रहती हैं, जिसकी वजह से वॉटर सॉल्यूबल विटामिन्स कम हो जाते हैं। हालांकि, मिनरल्स और फाइबर बरकरार रहते हैं।

भिलाई निगम की नई आयुक्त ने संभाला मोर्चा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं का जायजा

जोन 1 और जोन 2 के एसएलआरएम सेंटरों, कोसा नाला, गोठान और नवनिर्मित डॉग हाउस का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की नव-नियुक्त आयुक्त सुरूचि सिंह ने कार्यभार संभालते ही शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मैदानी स्तर पर निरीक्षण शुरू कर दी है। इसी कड़ी में उन्होंने निगम के जोन 1 और जोन 2 अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया और विकास कार्यों सहित स्वच्छता व्यवस्था का जायजा ली हैं। आयुक्त ने अपने दौरे की शुरुआत जोन 1 नेहरू नगर अंतर्गत संचालित एसएलआरएम सेंटर से की है। वहां उन्होंने कचरा पृथक्करण की प्रक्रिया को देखी और स्वच्छता दीदियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं व कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके पश्चात, उन्होंने एम. जे. कॉलेज के समीप स्थित कोसा नाला का निरीक्षण किये। वर्षा ऋतु के मद्देनजर उन्होंने नाले की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। जोन 1 के बाद निगम आयुक्त जोन 2 का रुख कर यहाँ उन्होंने एसएलआरएम सेंटर केंद्र की कचरों के निपटान की क्षमता और स्वच्छता मानकों की समीक्षा की। नवनिर्मित डॉग हाउस में आवारा कुत्तों के सुव्यवस्थित रखरखाव और उनके टीकाकरण/बंध्याकरण के लिए बनाए गए नए डॉग हाउस का बारीकी से निरीक्षण कर और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किये हैं। गोठान की व्यवस्थाओं को देखते हुए उन्होंने मवेशियों के लिए चारे-पानी के साथ अन्य पुख्ता इंतजाम हेतु निर्देश दिये हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त सह जोन आयुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता माहेश्वर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता शंकर सुवन मरकाम, पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, शंकर साहनी सहित निगम का अमला उपस्थित रहा।

कैजुअल्टी में दो डॉक्टर होंगे अपॉइंट, सीटी स्कैन के लिए मिलेंगे दो टेक्निशियन

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल का किया निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों एवं वार्डों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने रेडियोलॉजी विभाग का निरीक्षण कर प्रतिदिन होने वाले सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी की संख्या तथा विभाग में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से दो सीटी स्कैन टेक्नीशियन की भर्ती हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मरीजों से चर्चा कर उपचार की ली जानकारी

कलेक्टर ने कैजुअल्टी वार्ड का निरीक्षण किया तथा वहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर मेडिकल कालेज में मिल रही चिकित्सा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैजुअल्टी वार्ड में दो मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नियोनेटल वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चिलर प्लांट में आवश्यक सुधार करने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को दिए निर्देश

उन्होंने इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर एवं इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.एम. लूका, अधीक्षक डॉ. अतुल देशकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरत्न तथा डॉ. पवन जेठानी सहित अन्य चिकित्सा, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रम कानूनों का उल्लंघन, 6 उद्योगों पर एफआईआर

औद्योगिक स्वास्थ्य व सुरक्षा विभाग की सघन जांच

कई प्रतिष्ठानों में मिली अनियमितताएं

रायगढ़। कलेक्टर के निर्देश पर जिले में श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्यस्थल पर निर्धारित मानकों के पालन को लेकर औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। कार्यालय उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, रायगढ़ के उप संचालक राहुल पटेल के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न कारखानों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई इकाइयों में श्रम एवं सुरक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए मई एवं जून 2026 के दौरान कुल छह आपराधिक प्रकरण श्रम न्यायालय रायगढ़ में दायर किए हैं। कार्रवाई कारखाना अधिनियम 1948, छत्तीसगढ़ कारखाना नियमावली 1962, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम 1996, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार नियम 2008 तथा औजीकिकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा सॉहिता 2020 के प्रावधानों के तहत की गई है। माह मई के दौरान मेसर्स अग्रोहा स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम पाली के अधिभोगी उत्तम कुमार अग्रवाल, मेसर्स जिंदल स्टील लिमिटेड यूनिट-3 के अधिभोगी देबोज्योति रॉय तथा मेसर्स रायगढ़ साल्वेंट एक्सट्रेक्शन प्रा.लि. के अधिभोगी सरोज कुमार पाथी के विरुद्ध उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा सॉहिता 2020 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर प्रकरण दर्ज किए गए। इसी प्रकार मेसर्स रायगढ़ इस्पात एंड पावर प्रा.लि. यूनिट-2 के संचालक विकास कुमार अग्रवाल तथा बीपी एक्टिव इंजीकॉन प्राइवेट लिमिटेड के संचालक बिमल कुमार भगत के विरुद्ध भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम एवं संबंधित नियमों के उल्लंघन के कारण कार्रवाई की गई। वहीं जून 2026 में मेसर्स शिव शक्ति स्टील लिमिटेड के अधिभोगी संजय घोष एवं कारखाना प्रबंधक अरविंद कुमार मिश्रा के विरुद्ध श्रमिक सुविधाओं से जुड़े प्रावधानों के उल्लंघन पर प्रकरण दर्ज किए गए।

भिलाई निगम की बड़ी कार्रवाई: सुपेला परदेशी चौक में अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, सड़क हुई अतिक्रमण मुक्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। निगम की संयुक्त टीम ने सुपेला स्थित परदेशी चौक के पास संचालित व्यापारियों द्वारा दुकानों के सामने किए गए अवैध अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटाया। निगम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि व्यापारियों द्वारा दुकानों के सामने सड़क तक सामान एवं अन्य सामग्री रखकर सार्वजनिक मार्ग पर कब्जा कर लिया गया है। इससे सड़क संकरी हो गई थी और राहगीरों तथा वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने सख्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान जोन-1 उपायुक्त सह जोन आयुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, राजस्व विभाग, बेदखली अमला तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। टीम ने जेसीबी की सहायता से सड़क पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की तैनाती के कारण अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों एवं फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा और निर्बाध यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

निगम ने व्यापारियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें और शहर को व्यवस्थित एवं सुगम बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

नमस्ते दिवस पर स्वच्छता दीदियों का सम्मान, सुरक्षा उपकरण वितरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

भिलाईनगर। नमस्ते दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 नेहरू नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदियों के सम्मान एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया ने कहा कि स्वच्छता दीदियां शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ध्यान रखना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी स्वच्छता कर्मियों से सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना ने भी सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी देते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पी.आई.यू अभिनव त्रोकनेए सुभम पाटनी एवं ए.पी.एम. सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता दीदियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य वातावरण के लिए निगम द्वारा निरंतर प्रयास किए जाने की बात कही।

स्कूल में मधुमक्खियों का हमला: 72 विद्यार्थी हताहत

स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से सभी विद्यार्थी सुरक्षित

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के ग्राम बीजेभाठ्य हाईस्कूल में मंगलवार को मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घटना लगभग 11 बजे की है। मधुमक्खियों ने अकस्मात ही हमला करते हुए स्कूल के 10वीं के लगभग 72 विद्यार्थियों को डंक मार दिया। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाते हुए स्कूल परिसर व सीएचसी में उपचार कर तात्कालिक राहत दी। सभी विद्यार्थी खतरे से बाहर बताए गए हैं। दरअसल बीजेभाठ्य में स्थित स्कूल के पीछे में मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक मधुमक्खियां उड़कर कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर हमला कर दिया। अकस्मात हुए हमले से अफरा तफरी मच गई। इस दौरान 72 छात्र व छात्राओं को मधुमक्खियों ने डंक मार दिया था। घटना होते ही स्कूल प्रबंधन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। बीएमओ ने तत्काल ही एक डॉक्टर, 2 नर्स वी एक ड्रेसर की टीम भेजकर अस्थाई कैंप लगाया। कैंप में कम हताहत विद्यार्थियों का डॉ धर्मेंद्र मंडावी, नर्स ज्योति ठाकुर व लता मंडावी द्वारा तत्कालिक उपचार कर आवश्यक दवाइयां देकर राहत दी गई। इधर अधिक हताहत 32 विद्यार्थियों को तत्काल ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर स्वयं बीएमओ डॉ रागिनी चंद्रा ने कमान संभालते हुए बच्चों का परिजन की भांति स्नेहपूर्वक उपचार किया। हॉस्पिटल में आवश्यक उपचार के उपरांत सभी विद्यार्थी अपने अपने घर चले गए। विद्यार्थियों को समय पर उपचार मिलने से सभी विद्यार्थी सुरक्षित हैं। फिलहाल खबर लिखे जाने तक विद्यार्थियों को खतरे से बाहर बताया जा रहा है। पूरे घटनाक्रम के दौरान बीएमओ डॉ रागिनी चंद्रा के अलावा समस्त डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवा भावना के साथ कार्य किया।

21 स्कूलों में पहुंच मार्ग नहीं, 106 भवन जर्जर, विधानसभा में उठा मुद्दा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने अपने विधानसभा क्षेत्र एवं कबीरधाम जिले से जुड़े पेयजल, नगरीय जलापूर्ति और शिक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से सदन में उठाया। विधायक ने वनांचल एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की प्रगति, नगरीय क्षेत्रों में जल आवर्धन योजनाओं की स्थिति तथा विद्यालयों की जर्जर अधोसंरचना को लेकर सरकार से जवाब मांगा। भावना बोहरा ने प्रश्न किया कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के तेलियापानी लेदरा, बिरहुलडीह, कांदावाणी, छिंदीडीह, सेन्दुरखार, अमनिया, भेलकी सहित 35 से अधिक वनांचल एवं आदिवासी बहुल ग्रामों में लगभग 2,500 से अधिक परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लिखित जवाब में बताया कि कई ग्रामों में सोलर आधारित जल प्रदाय योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि बसुलाटोला, तेलियापानी धोबे, कोटपानी, कांदावानी, सारपानी, छिंदीडीह, सेंदुरखार सहित कई गांवों में कार्य अभी निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 के तहत समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जा रही है, हालांकि पूर्णता की संभावित तिथि फिलहाल निर्धारित नहीं की जा सकती। विधायक ने नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत पांडातराई की जल आवर्धन योजनाओं पर भी सवाल उठाए। सरकार ने बताया कि पंडरिया में 8 करोड़ 32 लाख 46 हजार रुपये तथा पांडातराई में 3 करोड़ 75 लाख 42 हजार रुपये की योजनाएं स्वीकृत की गई थीं। पंडरिया में अधिकांश कार्य पूर्ण कर 2,170 परिवारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, जबकि नवगठित वार्डों सहित अन्य क्षेत्रों में अब भी बोरवेल के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

राजनांदगांव रेंज के नव नियुक्त आईजी अजय यादव ने संभाला प्रभार

पदभार संभालते ही एक्शन मोड में आए, कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने की शुरुआत

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक व एस आर हॉस्पिटल व कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा व वरिष्ठ समाजसेवी विष्णु पाठक ने चर्चा कर दी शुभकामनाएं....

राजनांदगांव :- छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हाल ही में किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय कुमार यादव ने राजनांदगांव पुलिस रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदभार संभालते ही पुलिस महकमे में नई ऊर्जा और सक्रियता का माहौल देखने को मिल रहा है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में राजनांदगांव रेंज की कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनेगी।

नवनियुक्त आई जी के पदभार ग्रहण करने पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा लगातार शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

इसी क्रम में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक व एस आर हॉस्पिटल व कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा व वरिष्ठ समाज सेवी विष्णु पाठक विशेष रूप से राजनांदगांव पहुंचे व आई जी अजय कुमार यादव से सौजन्य मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट किया व उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

भेंट के दौरान रेंज की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, मयुल एकाउन्ट ,नकस्लवाद ,पुलिस-जन संवाद तथा आधुनिक पुलिसिंग व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर संजय तिवारी एवं डॉ कमल किशोर शर्मा व विष्णू पाठक ने विश्वास व्यक्त किया कि आईजी अजय कुमार यादव के अनुभव, प्रशासनिक दक्षता और दृढ़ नेतृत्व का लाभ पूरे राजनांदगांव रेंज को मिलेगा तथा अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत होगा एवं वर्तमान समय में बदलते अपराधों, विशेषकर साइबर अपराध और महिला सुरक्षा जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता है, जिसे नव नियुक्त आईजी साहब बखूबी निभाएंगे। बता दें कि प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद राजनांदगांव पुलिस रेंज का दायरा और अधिक व्यापक हो गया है। वर्तमान में इस रेंज के अंतर्गत राजनांदगांव, कबीरधाम (कवर्धा), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़ -छुईखदान -गंडई जिले शामिल हैं। इन चारों जिलों की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अब आईजी अजय कुमार यादव के नेतृत्व में संचालित होगी।

जानकारी के अनुसार पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही आईजी साहब ने एक्शन मोड में काम शुरू कर दिया है उन्होंने रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से सुरक्षा व्यवस्था, लंबित मामलों, संवेदनशील क्षेत्रों, अपराध की स्थिति तथा पुलिसिंग की वर्तमान व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली है व सभी एस ओ पी का गहन अध्ययन कर रहे है । साथ ही महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा आम जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल राजनांदगांव जिला भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसकी सीमाएं महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे दो राज्यों से जुड़ी हुई हैं। अंतरराज्यीय सीमाओं के कारण यहां अपराध नियंत्रण, तस्करी, अवैध गतिविधियों पर निगरानी तथा राज्यों के बीच बेहतर पुलिस समन्वय बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में आईजी पद की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण है।

ऐसे में राजनांदगांव रेंज की कमान अजय कुमार यादव के हाथों में आने से उनके प्रशासनिक अनुभव, अनुशासित कार्यशैली और प्रभावी नेतृत्व के लिए पहचाने जाने पर क्षेत्र की आमजन को उनसे काफी अपेक्षाएं है माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में राजनांदगांव रेंज में कानून व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा जनता और पुलिस के बीच विश्वास का संबंध और प्रगाढ़ होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com